दैनिक

क्यूँ न लिखूँ सच

प्रातः कालीन

मुरादाबाद से प्रकाशित

बर्षः- 06
अंकः- 200
मुरादाबाद
(Wednesday)
11 November 2026
पृष्ठः-8
मूल्यः- 3.00 रूपया

भारत सरकार से रजिस्टर्ड
RNI No.UPBIL/2021/83001

राष्ट्रीय हिंदी अंग्रेजी समाचार पत्र

प्रसारित क्षेत्र-बरेली, पीलीभीत, बदायूं, कासगंज, एटा, अलीगढ, संभल, श्रावस्ती, अलीगढ और उत्तराखंड

पीएम ने गोवर्धन पूजा और गुजराती नववर्ष पर दी शुभकामनाएंः

बोले- श्रीक्रष्ण भक्तों के भय का नाश करने वाले हैं

गुजराती नववर्ष यानी बेस्टू वर्ष के अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देशवासियों को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने नए साल में सभी के जीवन में सुख, शांति, समृद्धि और अच्छे स्वास्थ्य की कामना की। दीपावली के अगले दिन कार्तिक शुक्ल प्रतिपदा से विक्रम संवत 2083 की शुरुआत हुई।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर सुभाषित पोस्ट करके गोवर्धन पूजा की शुभकामनाएं दीं। इसके साथ ही उन्होंने गुजराती नववर्ष यानी बेस्टू वर्ष के पावन दिन के शुभारंभ पर सभी को



शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने कामना की कि नए वर्ष का यह पावन प्रारंभ सभी के जीवन में सुख, शांति, समृद्धि और खुशहाली की नई आशाएं लेकर आए।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार सुबह सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट किया, नूतन वर्षाभिनंदन। नए साल की यह शुभ शुरुआत आप सभी के जीवन में खुशी, शांति, समृद्धि और खुशहाली की नई उम्मीदें लेकर आए। मेरी हार्दिक शुभकामनाएँ हैं कि आप सभी का जीवन उत्तम स्वास्थ्य, आनंद और उत्साह से भरा रहे। पीएम मोदी ने सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा, सभी देशवासियों को गोवर्धन पूजा की बहुत-बहुत शुभकामनाएं। यह पावन पर्व आप सभी के जीवन में नई ऊर्जा और उत्साह का संचार करे। सभी के सुख, सौभाग्य और समृद्धि का विस्तार हो, यही मंगलकामना है।प्रधानमंत्री की ओर से संस्कृत श्लोक, आभीरनगरीप्राणाप्रियं सत्यपराक्रमम्। स्वभृत्यभयभेत्तारं गोवर्धनधरं भजे। साझा किया गया है, जिसका हिंदी अर्थ है कि जो ब्रजवासियों के लिए प्राणप्रिय हैं, सत्य पराक्रमी हैं और अपने भक्तों के भय का नाश करने वाले हैं, ऐसे गोवर्धन गिरिधारी श्रीकृष्ण का मैं भजन करता हूं।

श्री गोवर्धनधराष्टकम् का श्लोक किया साझा- पीएम की ओर से साझा किया गया यह श्लोक श्री गोवर्धनधराष्टकम् से लिया गया है। इस सुंदर स्तोत्र में भगवान श्रीकृष्ण के गोवर्धनधारी (गोवर्धन पर्वत को उठाने वाले) रूप की महिमा का गुणगान किया गया है। इस श्लोक के माध्यम से भगवान श्रीकृष्ण के दिव्य गुणों और लीलाओं का वर्णन किया गया है।जब देवराज इंद्र के अहंकार को तोड़ने और ब्रजवासियों की रक्षा करने के लिए भगवान श्रीकृष्ण ने अपनी छोटी उंगली पर विशाल गोवर्धन पर्वत को उठा लिया था, तब उनका नाम गोवर्धनधर पड़ा। इस स्तोत्र में भक्त श्रीकृष्ण के इसी संकटमोचन और कृपालु स्वरूप की आराधना की गई है।

इस श्लोक के माध्यम से श्रीकृष्ण की स्तुति करते हुए कहा गया है कि मैं उन गोवर्धन पर्वत को धारण करने वाले भगवान श्रीकृष्ण की आराधना करता हूं, जो अहीरों की नगरी (संपूर्ण ब्रज) के साक्षात प्राण और अत्यंत प्रिय हैं, जिनका पराक्रम सदैव सत्य पर टिका है, और जो अपने सेवकों (भक्तों) के हृदय से हर प्रकार के भय और संकट को समूल नष्ट कर देने वाले हैं।आज के दिन हुआ था विक्रम संवत 2083 का शुभारंभ-आज गुजराती नववर्ष यानी बेस्टू वर्ष के पावन दिन से विक्रम संवत 2083 का शुभारंभ हुआ है। सनातन धर्म में बेस्टू वर्ष यानी नववर्ष का दिन अत्यंत पवित्र और शुभ माना जाता है। दीपावली के अगले दिन कार्तिक शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा से विक्रम संवत के नए वर्ष की शुरुआत होती है। पुराने वर्ष को विदाई देकर नए वर्ष का स्वागत किया जाता है।इस दिन श्रद्धालु अपने आराध्य देव के दर्शन कर पूरे वर्ष सुख, शांति, समृद्धि, अच्छे स्वास्थ्य और परिवार की खुशहाली बनी रहे, ऐसी प्रार्थना करते हैं। साथ ही जीवन में अच्छे विचारों, सत्कर्म, सेवा, परोपकार और धर्म के मार्ग पर चलने का संकल्प भी लेते हैं।गुजरात के सीएम भूपेंद्र पटेल ने पंचदेव मंदिर में की पूजा-अर्चना- उधर, बेस्टू वर्ष के पावन दिन गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने गांधीनगर के सेक्टर 22 स्थित पंचदेव मंदिर का दौरा किया, जहां उन्होंने पूजा-अर्चना और आरती की। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने कहा कि विक्रम संवत 2083 की शुरुआत पर मैं सभी को नए साल की हार्दिक शुभकामनाएं देता हूं।उन्होंने कहा, मैंने ईश्वर से प्रार्थना की है कि सभी का स्वास्थ्य उत्तम रहे और उनका जीवन सुख, शांति और समृद्धि के साथ आगे बढ़े। प्रधानमंत्री के विकसित भारत और नशामुक्त भारत के विजन को ध्यान में रखते हुए, मुझे उम्मीद है कि हम सब मिलकर विकसित गुजरात और नशामुक्त गुजरात की दिशा में काम करेंगे।

संक्षिप्त समाचार

सीआईएससीई बोर्ड परीक्षा 2027: 10वीं की परीक्षाएं 15 फरवरी से, 12वीं की 9 फरवरी से

सीआईएससीई ने 2027 की 10वीं और 12वीं बोर्ड परीक्षाओं का कार्यक्रम घोषित कर दिया है। 10वीं कक्षा में करीब 2.70 लाख विद्यार्थी शामिल होंगे। वहीं, 12वीं की बोर्ड परीक्षा में 1.1 लाख विद्यार्थी शामिल होंगे। परीक्षाएं 9 फरवरी से 8 अप्रैल 2027 तक आयोजित होंगी।काउंसिल फॉर द इंडियन स्कूल सर्टिफिकेट एग्जामिनेशन (सीआईएससीई) ने वर्ष 2027 की आईसीएसई (कक्षा 10) और आईएससी (कक्षा 12) बोर्ड परीक्षाओं का कार्यक्रम घोषित कर दिया है। इस बार दोनों परीक्षाओं में कुल 3,79,980 विद्यार्थी शामिल होंगे। जारी कार्यक्रम के अनुसार, 10वीं (आईसीएसई) की परीक्षा 15 फरवरी 2027 से शुरू होगी। वहीं, 12वीं (आईएससी) की परीक्षा 9 फरवरी 2027 से शुरू होगी।कितने विद्यार्थी देंगे 10वीं और 12वीं की परीक्षा? सीआईएससीई की ओर से जारी जानकारी के अनुसार, दोनों कक्षाओं में शामिल होने वाले विद्यार्थियों का विवरण इस प्रकार है: आईसीएसई (कक्षा 10) 3,106 संबद्ध स्कूलों के करीब 2.70 लाख विद्यार्थी परीक्षा देंगे। आईएससी (कक्षा 12)= 1,651 स्कूलों के 1.1 लाख से अधिक विद्यार्थी परीक्षा में शामिल होंगे।कुल विद्यार्थी- दोनों परीक्षाओं में 3,79,980 उम्मीदवार शामिल होंगे। कक्षाओं के लिए अलग-अलग विषय और प्रश्नपत्र निर्धारित किए गए हैं।

यह यूसीसी नहीं, हिंदू सिविल कोड हैः

ओवैसी ने समान नागरिक संहिता पर उठाए सवाल, महाराष्ट्र सरकार से की ये मांग



महाराष्ट्र सरकार की समान नागरिक संहिता लागू करने की पहल पर एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने सवाल उठाए हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार की ओर से जारी प्रश्नावली में बहुविवाह और तलाक से जुड़े सवाल तो हैं, लेकिन हिंदू अविभाजित परिवार को लेकर कोई सवाल नहीं पूछा गया। महाराष्ट्र में समान नागरिक संहिता (यूसीसी) लागू करने की तैयारी को लेकर ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने राज्य सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की सरकार यूसीसी लागू करने का फैसला कर चुकी है। ओवैसी के मुताबिक, सरकार की ओर से जनता की राय लेने के लिए जारी प्रश्नावली में ऐसे सवाल शामिल किए गए हैं, जिनसे इस फैसले की मंशा स्पष्ट होती है। ओवैसी ने कहा कि प्रश्नावली में बहुविवाह और अदालत के बाहर तलाक जैसे मुद्दों पर सवाल पूछे गए हैं, लेकिन हिंदू अविभाजित परिवार यानी हिंदू अनडिवाइडेड फैमिली (एचयूएफ) को लेकर एक भी सवाल नहीं है। उन्होंने दावा किया कि इससे सरकार की मंशा पर सवाल उठते हैं। एआईएमआईएम प्रमुख ने कहा कि गुजरात, उत्तराखंड, असम और मध्य प्रदेश में भाजपा सरकारों की ओर से यूसीसी के नाम पर लाई गई पहल की तरह महाराष्ट्र में भी वास्तविक समान नागरिक संहिता लागू नहीं की जा रही है। उनके मुताबिक, यह गैर-हिंदू समुदायों पर हिंदू सिविल कोड थोपने की कोशिश है।उन्होंने प्रश्नावली के सवालों के तरीके पर भी आपत्ति जताई। ओवैसी ने कहा कि इसमें अधिकतर सवाल ऐसे हैं, जिनके जवाब केवल हां या नहीं में दिए जा सकते हैं। उन्होंने दावा किया कि इसी वजह से बॉम्बे हाईकोर्ट के सेवानिवृत्त न्यायाधीश आरसी चव्हाण ने इस्तीफा देने का फैसला किया। ओवैसी के मुताबिक, चव्हाण ने कहा था कि समिति में अल्पसंख्यक समुदाय का कोई प्रतिनिधि नहीं है। ओवैसी ने कहा कि महाराष्ट्र में यूसीसी लागू करने की बात हो रही है, लेकिन सरकार यह स्पष्ट नहीं कर रही कि इस संहिता में एकरूपता का मतलब क्या होगा। धार्मिक प्रथाओं से रोकने की कोशिश-सांसद ओवैसी ने आरोप लगाया कि यूसीसी के जरिए मुसलमानों को अपने धर्म के अनुसार जीवन जीने से रोकने की कोशिश की जा रही है। उन्होंने कहा कि इस्लाम में विवाह एक अनुबंध है, जबकि प्रस्तावित व्यवस्था में तलाक के नियम हिंदू विवाह अधिनियम के अनुरूप लागू करने की कोशिश की जा रही है। ओवैसी ने आरोप लगाया कि यह सब मुसलमानों को निशाना बनाने और उनकी धार्मिक पहचान छीनने के उद्देश्य से किया जा रहा है।संविधान और सुप्रीम कोर्ट के फैसलों का दिया हवाला- ओवैसी ने यूसीसी के मुद्दे पर संविधान के अनुच्छेद 14, 15 और 21 का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि धार्मिक आस्था से जुड़े व्यक्तिगत कानूनों को राज्य की कार्रवाई नहीं माना जाना चाहिए और इसलिए उन्हें इन अनुच्छेदों के तहत परखने का सवाल अलग है। उन्होंने अपनी बात के समर्थन में एक न्यायिक फैसले के पैराग्राफ 165 का हवाला दिया। उन्होंने कहा कि भाजपा बार-बार संविधान के अनुच्छेद 44 का उल्लेख करती है, लेकिन यह राज्य के नीति निर्देशक सिद्धांतों का हिस्सा है। ओवैसी ने मद्रास राज्य से जुड़े सुप्रीम कोर्ट के फैसले का जिक्र करते हुए कहा कि नीति निर्देशक सिद्धांतों को मौलिक अधिकारों के अध्याय के अनुरूप होना चाहिए और उनके अधीन रहना चाहिए।महाराष्ट्र सरकार से की क्या मांग?-उन्होंने मिनर्वा मिल्स मामले के फैसले का भी हवाला दिया।

मनमोहन सिंह को क्यों चुना पीएम?: सोनिया गांधी ने किताब में खोला राज, प्रणब मुखर्जी की महत्वकांक्षा का भी जिक्र



सोनिया गांधी ने अपनी संस्मरण पुस्तक में 2004 में मनमोहन सिंह को प्रधानमंत्री बनाने के फैसले के पीछे की वजहों पर रोशनी डाली है। उन्होंने मनमोहन सिंह की आर्थिक विशेषज्ञता, साफ छवि और प्रशासनिक अनुभव को इस चयन का आधार बताया।कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी ने खुलासा किया है कि उन्होंने 2004 में मनमोहन सिंह को प्रधानमंत्री पद के लिए इसलिए चुना था, क्योंकि उन्हें उनकी ईमानदारी और शासन व्यवस्था की गहरी समझ पर पूरा भरोसा था। सोनिया गांधी के मुताबिक, उन्हें विश्वास था कि देश मनमोहन सिंह के हाथों में सुरक्षित रहेगा।सोनिया गांधी ने अपनी नई संस्मरण पुस्तक बिलॉन्गिंग- ए जर्नी ऑफ लव में प्रधानमंत्री पद के लिए मनमोहन सिंह के चयन से जुड़े फैसले के बारे में विस्तार से लिखा है। हार्परकॉलिन्स इंडिया की ओर से प्रकाशित यह किताब मंगलवार को बाजार में आई।मनमोहन को बताया बेदाग छवि वाला नेता सोनिया गांधी ने लिखा कि प्रधानमंत्री पद स्वीकार नहीं करने का फैसला लेने के बाद यह तय करना जरूरी था कि अगले दिन कौन देश के प्रधानमंत्री पद की शपथ लेगा। उनके मुताबिक, पार्टी में कई वरिष्ठ और अनुभवी नेता इस पद के योग्य थे, लेकिन मनमोहन सिंह को वह लंबे समय से इस जिम्मेदारी के लिए उपयुक्त मानती थीं।उन्होंने लिखा, उन सभी में एक व्यक्ति ऐसे थे, जिन्हें मैं लंबे समय से बेदाग छवि और शासन व्यवस्था की गहरी समझ रखने वाले नेता के रूप में देखती थी। वह थे डॉ. मनमोहन सिंह। आर्थिक सुधारों में रही थी अहम भूमिका-सोनिया गांधी ने मनमोहन सिंह के आर्थिक और प्रशासनिक अनुभव का भी जिक्र किया। एक अनुभवी अर्थशास्त्री थे। 1990 के दशक की शुरुआत में पीवी नरसिम्हा राव की सरकार में वित्त मंत्री रहते हुए उन्होंने भारत में आर्थिक सुधारों की शुरुआत की थी। सोनिया के मुताबिक, मनमोहन सिंह कांग्रेस के किसी खास गुट से जुड़े हुए नहीं थे। उस समय कांग्रेस पर वामपंथी झुकाव वाली पार्टी होने की छवि बन गई थी और उनकी प्रस्तावित सरकार को वामपंथी दलों का समर्थन भी मिलने वाला था। उन्होंने लिखा कि मनमोहन सिंह के प्रधानमंत्री बनने से लोगों की उन आशंकाओं को दूर करने में मदद मिल सकती थी, जिनमें यूपीए सरकार की आर्थिक नीतियों और शासन चलाने की क्षमता को लेकर सवाल उठाए जा रहे थे।

न अली के रहे, न बजरंगबली के, ओपी राजभर का अखिलेश यादव पर तंजः 2027 चुनाव को लेकर किया बड़ा दावा



सुभासपा अध्यक्ष व कैबिनेट मंत्री ओमप्रकाश राजभर ने सपा प्रमुख अखिलेश यादव पर जमकर निशाना साधा। कहा कि उनकी स्थिति न अली के रहे, न बजरंगबली के जैसी हो गई है। उन्होंने प्राइमरी स्कूलों के विलय, राम मंदिर दर्शन, सनातन धर्म और कारसेवकों के बयानों को लेकर अखिलेश यादव व सपा नेतृत्व को आड़े हाथों लिया और 2027 के विधानसभा चुनाव में एनडीए के पूर्ण बहुमत से सरकार बनाने का दावा किया। अंबेडकरनगर में कैबिनेट मंत्री और सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी (सुभासपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष ओमप्रकाश राजभर ने मंगलवार को सर्किट हाउस में समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव पर जमकर निशाना साधा। प्राइमरी स्कूलों के विलय, राम मंदिर दर्शन और सनातन धर्म के मुद्दे पर उन्होंने सपा नेतृत्व को घेरा। अखिलेश यादव पर तंज कसते हुए राजभर ने कहा कि उनकी स्थिति न अली के रहे, न बजरंगबली के जैसी हो गई है। प्राइमरी स्कूलों के विलय को लेकर अखिलेश यादव की ओर से उठाए गए सवालों पर राजभर ने कहा कि अखिलेश यादव पांच साल तक प्रदेश के मुख्यमंत्री रहे, लेकिन गरीब बच्चों की शिक्षा के लिए उन्होंने कुछ नहीं किया। राजभर के मुताबिक, सपा सरकार के दौरान बच्चे टाट-पट्टी पर बैठकर पढ़ाई करते थे, जबकि योगी सरकार में स्कूलों में बेंच और डेस्क की व्यवस्था की गई है। अभिभावकों के खातों में भी सहायता राशि भेजी जा रही है। उन्होंने अटल आवासीय विद्यालयों का जिक्र करते हुए कहा कि यहां गरीब और मजदूर परिवारों के बच्चे रहकर डॉक्टर और इंजीनियर बनने की तैयारी कर रहे हैं।राम मंदिर जा रहे हैं तो काशी-मथुरा की तारीख भी बताएं राम मंदिर दर्शन को लेकर भी राजभर ने अखिलेश यादव पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि अखिलेश यादव के अयोध्या जाने की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। नेता सनातन पांडेय के बयान का भी मुद्दा उठाया। शिवपाल यादव की ओर से अनुशासन को लेकर दी गई चेतावनी पर उन्होंने सपा के अंदर नेतृत्व को लेकर सवाल खड़े किए। उन्होंने पूछा कि समाजवादी पार्टी में असली नेतृत्व अखिलेश यादव का है या शिवपाल यादव का?विपक्ष पर लगाया केवल बयानबाजी का आरोप-ओमप्रकाश राजभर ने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि विपक्षी दल केवल ट्वीट और प्रेस कॉन्फ्रेंस तक सीमित हैं।

संपादकीय Editorial

Will Trump reform now?

Frustrated by his defeat, Trump may continue to act arbitrarily despite the legislative obstacles and strict opposition scrutiny. He likely won't be running for president again, and it's doubtful he'll be concerned about the Republican Party's future. The Republican Party suffered a major blow in the midterm elections.

Trump will now face difficulties implementing his policies.

The president's veto power could continue to fuel his arbitrariness. As expected, President Donald Trump's Republican Party suffered a major blow in the US midterm elections. The opposition Democratic Party secured a majority in both houses of the US Parliament, the House of Representatives and the Senate. This happened because the American public, and even Trump supporters, disliked his methods. The midterm election results indicate that the very policies Trump used to inspire his supporters with the slogan "Make America Great Again" to make the country great again, have ultimately ruined him. While the conflict with Iran led to rising prices of petrol and diesel, arbitrary tariff policies further increased the prices of essential commodities. This angered even his "MAGA" supporters. A segment of these supporters were not happy with his decision to wage war against Iran. Many Americans were also upset that Trump had damaged relations with friendly countries. In effect, he was behaving as if he were the head of state of the world, and that international rules and regulations and agreements were not meant for him.

It is natural that with the Democratic dominance in the US Parliament, Trump will face difficulties at every step and will have difficulty implementing his decisions. However, the truth is that he will not be completely powerless, as the US President has unlimited constitutional powers. He can even implement any decision blocked by the Parliament using his veto power. The Democratic Party did not have a sufficient majority to curb his veto power. This could have been achieved if it had a two-thirds majority.

It's clear that Trump, embittered by his defeat, may continue to act arbitrarily despite the legislative hurdles and strict opposition scrutiny. He likely won't be running for president again, and it's doubtful he'll be concerned about the future of the Republican Party. He's primarily a businessman, and even as president, he prioritized his personal financial interests. If Trump, embittered by his defeat, resorts to arbitrariness, he could create further problems for both America and the world. While other countries, including India, may hope that Trump's attitude will improve, that may not be the case. India also cannot ignore the fact that Republicans and Democrats are unanimous on some issues, such as halting oil imports from Russia.

Elections that teach lessons

The most interesting election results came from the largest state, Uttar Pradesh. Of the 11 seats, the BJP won six, while the Samajwadi Party won five. Election results for 28 Legislative Council seats in four states. Voters sent a strong message to the ruling parties. Congress, BJP, and JDU face unexpected challenges. The election results for the 28 Legislative Council seats for teachers and graduates in four states remind us that the system may have overpowered the people in the system, but in elections, it is the voters, not the leaders, who are the most powerful. The three-day vote count for these elections, conducted using ballot papers, baffled even the leaders. The most disappointing results were for the Congress. Congress held four seats, but now has only one. Elections were held for four seats in Congress-ruled Karnataka, but it failed to even open its account there.

However, it lost only one seat, as three of these seats were already held by the BJP and one by the Congress, which this time was snatched away by the BJP's ally, the JD(S). Nevertheless, it is true that Congress was reduced to just one seat in the 28-seat elections across four states. The BJP did not hesitate to mock this, but the only seat Congress won was in Nagpur, the home turf of Maharashtra Chief Minister Devendra Fadnavis and Union Minister Nitin Gadkari. Nagpur is also the headquarters of the BJP's parent organization, the Rashtriya Swayamsevak Sangh. Even before the Nagpur results were announced, Fadnavis was quick to post a sarcastic remark on Congress on Instagram, which he later deleted.

In all four states, voters have taught the ruling party a lesson. Congress sufferedng defeat in Karnataka, while the BJP-led Mahayuti (grand alliance) suffered a defeat in Maharashtra. In such elections, the ruling party is always expected to perform better, but Congress lost even its last seat. This is being seen as a result of the discord between Chief Minister DK Shivakumar and his predecessor Siddaramaiah. Maintaining a smooth relationship between two rivals isn't easy, but the responsibility for doing so rests largely with Chief Minister Shivakumar, who is also known as the Congress's troubleshooter. The disappointing performance also places Congress National President Mallikarjun Kharge in an uncomfortable position, as Karnataka is his home state. In Maharashtra, the opposition alliance won three of the five seats, while the ruling Mahayuti had to settle for two. Shinde-Shiv Sena's ambitions remain unabated, while Sunetra Pawar's NCP is also pushing to regain the Finance Ministry. The elderly Sharad Pawar will undoubtedly be pleased with the performance of the NCP under his control.The BJP's troubles in Bihar show no signs of abating. After losing National President Nitin Naveen's traditional Bankipur Assembly seat in the Assembly by-election, the BJP's defeat in the Patna Legislative Council seat has also created an uncomfortable situation for both Naveen and Chief Minister Samrat Chaudhary. The conflict within the JDU has spilled over into the streets. Bahubali MLA Anant Singh, who supported Anuj Singh against the official candidate Neeraj Kumar, has been expelled from the JDU, but the dispute is unlikely to end there.

After winning, Neeraj's questioning of Union Minister Lallan Singh was a sign of internal strife. The discord between the RJD and the Congress also surfaced in these elections. Unable to reach a consensus, the two contested separately. The RJD performed well, winning two seats, while the Congress failed to open its account despite contesting five. Prashant Kishore, a former election strategist, and his Jan Suraj Party, after winning the Bankipur Assembly by-election, have signaled they are on the right track by winning a seat in these elections. Until now, the rise of Jan Suraj was considered a threat only to the RJD, but the BJP will also have to introspect. The most interesting election results came from the largest state, Uttar Pradesh. Of the 11 seats contested here, the BJP won six, while the SP won five. While this figure indicates a BJP lead, the SP's performance four months before the assembly elections should be a cause for concern for the ruling party. Furthermore, the SP managed to win both seats in Prime Minister Modi's parliamentary constituency, Varanasi. The SP also won seats in Lucknow and Agra. This also indicates that the BJP has failed to take necessary corrective measures after the setback in the 2024 Lok Sabha elections. Even if some steps were taken, the desired results do not yet appear to be forthcoming. Uttar Pradesh government minister and Subhaspa president Om Prakash Rajbhar's comment that educated voters vote in these elections, so there should be no over-worrying, also reflects our political mindset. While ordinary voters do not vote in the Legislative Council elections, educated members among them, who are generally considered BJP supporters, do vote. Therefore, these election results are encouraging for the SP. Congress also showed wisdom by not pressuring for seats. While the BJP lost in the Prime Minister and Defense Minister's constituencies, its reputation somehow survived in the Chief Minister's constituency. The selection of BJP candidates for the elections is also being questioned. Union Home Minister Amit Shah may have described the Yogi government in Uttar Pradesh as "Angad's Foot," but in the Lok Sabha elections, OBCs and Dalits were seen as marginalized, and now, despite priority in ticket distribution in the Legislative Council elections, Traditional upper caste supporters also appear to be drifting away. Clearly, the BJP will have to adjust its equations by addressing resentment among traditional supporters on issues like the UGC, as the writing on the wall clearly indicates a tough contest in the assembly elections.

Why are some essential tasks stuck?

Just as there was an unnecessary delay in the election of the BJP president, the same is happening with the reshuffle and expansion of the Modi cabinet. The delay in cabinet expansion has hampered government operations. Administrative, police, and judicial reforms are urgently needed. Delays in filling vacant positions have impacted efficiency. For the past several months, news of a cabinet reshuffle in the Modi government has surfaced, followed by silence. It is difficult to say when or if a reshuffle will occur. Only the government can answer these questions, and it has refrained from doing so. Now that this government has entered the third year of its third term, it should be concerned not only with the upcoming general elections but also with the upcoming assembly elections.At the same time, it should overcome its laxity and prioritize pending tasks, as assembly elections in at least a dozen states are scheduled before the next Lok Sabha elections, and the results of these elections will, to some extent, set the stage for the Lok Sabha elections. It's unclear what the results of the assembly elections will be and what atmosphere they will create, but it's clear that the opposition has been attacking the Modi government for some time now, and this has sometimes led the ruling party to become defensive.The opposition's aggressive stance began on the very first day of the monsoon session of Parliament. The "Cockroach Janata Party" was scheduled to march to Parliament on the very day the monsoon session began, demanding the resignation of Education Minister Dharmendra Pradhan. The Delhi Police denied permission, yet the crowd of protesters remained determined to march to Parliament. This resulted in violence. Protesters and police were both beaten, but the narrative was created that the police used unnecessary force against a peaceful crowd. This narrative also led to Dharmendra Pradhan's resignation. This resignation galvanized the opposition, and their enthusiasm has remained strong ever since.

For some time now, the Modi government has been grappling with the opposition's accusations of vote theft. Whatever the opposition may say to justify voter list purification (SIR) as vote theft, there is generally no sense among the public that the Election Commission is deliberately cutting the opposition's votes to defeat them. Everyone is awaiting the Supreme Court's decision on the SIR, but it is unlikely that the opposition, especially the Congress, will accept its decision. In any case, the potential reshuffle and expansion of the Modi cabinet is also awaited. The necessary reshuffle and expansion of the cabinet is being delayed, just as the selection of the new BJP president was. While supporters of the Modi government may call every decision a masterstroke, this is not the reality.The reshuffle and expansion of the Union Cabinet is necessary not only because the government has not made any changes to it during its tenure. It is also necessary because several ministers have resigned or have been forced to resign. Some ministers have additional charge of other ministries, including important ones like education. The functioning of some ministries is also suffering from sluggishness. Granted, some ministries are not very important, but running a ministry.

यूपी में मां-बेटे की हत्या: शवों पर ई-रिक्शा पलटकर हादसे का दिया रूप, सगा भाई और दो भतीजे ही निकले कातिल



11 सितंबर को बहजोई-संभल मार्ग पर गांव भवन के पास सड़क पर पलटे ई-रिक्शा से दबी एक बुजुर्ग महिला और एक युवक का शव मिला था। दोनों की पहचान 70 वर्षीय नेक्शी और उसके बेटे राकेश कुमार निवासी गांव करीमपुर थाना बहजोई के रूप में हुई थी। पुलिस ने हादसा मान कर शवों को पोस्टमार्टम के बाद परिजनों को सौंप दिया था।यूपी के संभल स्थित बहजोई थाना पुलिस ने मां-बेटे की हत्या कर एक्सीडेंट का रूप देने वाली घटना का चौकाने वाला खुलासा किया है। आठ बीघा जमीन हड़पने के लिए बड़े भाई ने अपने दो पुत्रों के साथ लि कर छोटे भाई और अपनी मां की हत्या कर दी और हत्या को एक्सीडेंट का रूप देने के लिए शव बहजोई-संभल मार्ग पर गांव भवन के निकट फेंक कर शवों पर ई-रिक्शा पलट दिया था। मृतक की पत्नी की शिकायत पर पुलिस की जांच घूमीं तो खुलासा हो गया। एसपी विकास चंद्र त्रिपाठी ने रविवार को प्रेस वार्ता कर हत्याकांड का खुलासा किया।ई-रिक्शा के नीचे दबा था महिला और युवक का शव बता दें कि 11 सितंबर को बहजोई-संभल मार्ग पर गांव भवन के पास सड़क पर पलटे ई-रिक्शा से दबी एक बुजुर्ग महिला और एक युवक का शव मिला था। दोनों की पहचान 70 वर्षीय नेक्शी और उसके बेटे राकेश कुमार निवासी गांव करीमपुर थाना बहजोई के रूप में हुई थी। पुलिस ने हादसा मान कर शवों को पोस्टमार्टम के बाद परिजनों को सौंप दिया था। परिजनों की ओर से कोई रिपोर्ट दर्ज नहीं कराई गई।पत्नी की तहरीर से पलट गया मामला इसी बीच अलीगढ़ की रहने वाली महिला विमला देवी ने थाना बहजोई पहुंच कर पुलिस को हत्या की तहरीर दी थी और खुद को मृतक राकेश की पत्नी बताया। साथ ही बताया कि 11 सितंबर 2026 को उसके सगे जेठ किशनपाल व जेठ के बेटे अमित उर्फ मिंटू, संजीव निवासी ग्राम करीमपुर थाना बहजोई द्वारा पूर्व में उसके व उसके पति राकेश के साथ जमीनी विवाद के चलते उसके पति राकेश व सास नेक्शी की हत्या की आशंका जाहिर की। पुलिस ने तहरीर के आधार पर रिपोर्ट दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी। तकिए से मुंह दबाकर की हत्या-रविवार को प्रेस वार्ता के दौरान पुलिस अधीक्षक विकास चंद्र त्रिपाठी ने बताया कि मृतक राकेश की आठ बीघा जमीन हड़पने के लिए उसके भाई व भतीजों ने तकिया से मुंह दबा कर हत्या कर दी और हत्याकांड को हादसे का रूप देने के लिए शव बहजोई-संभल मार्ग पर गांव भवन के पास फेंक दिए और शवों पर ई-रिक्शा पलट दिया। तीनों हत्यारोपियों को थाना पुलिस ने आठ नवंबर को तड़के साढ़े तीन बजे करीब संभल मार्ग स्थित परतापुर यात्री शेड से गिरफ्तार किया है। आरोपियों को न्यायालय में पेश किया गया। जहां से तीनों को जेल भेज दिया गया। हत्या में प्रयुक्त तकिया, ई-रिक्शा व मोटरसाइकिल बरामद कर ली है। खुलासे करने वाली टीम में थाना प्रभारी राजीव कुमार मलिक, एसआई रोहित कुमार व सोमपाल सिंह आदि शामिल हैं।

ये था मामला-पुलिस के अनुसार राकेश ग्राम करीमपुर थाना बहजोई के रहने वाला था। राकेश तथा उसके भाई किशनपाल के नाम 30 बीघा जमीन थी, जिसमें किशनपाल द्वारा राकेश के नाबालिग रहते हुए 13 बीघा जमीन बेच दी थी और राकेश के हिस्से की शेष 08 बीघा जमीन पर भी किशनपाल तथा उसके पुत्र संजीव, अमित अपना कब्जा करना चाहते थे। मृतक राकेश द्वारा अलीगढ में रहने के दौरान विमला नाम की महिला से शादी कर ली थी। जिसकी एक पुत्री भी है। राकेश अपनी संपत्ति बेच कर विमला के साथ अलीगढ में जाकर रहना चाहता था। जिसका राकेश की मां नेक्सी भी उसका समर्थन कर रही थी। किशनपाल ने अपने बेटों संग मिलकर की थी हत्या-पुलिस के अनुसार राकेश के द्वारा अपनी एक बीघा जमीन का छह लाख रुपये में गांव के रामभरोसे को सौदा तय कर दिया था। जिसके एवज में दो लाख रुपये बतौर बयाना ले लिए थे। किशनपाल दबाव बना कर बयाना वापस करा दिया था। किशनपाल व उसके पुत्र अपने भाई राकेश की जमीन पर कब्जा करना चाहते थे। जमीन हड़पने के लिए किशनपाल ने अपने दोनों बेटों के साथ मिल कर 10 सितंबर की रात राकेश और नेक्शी की तकिया से मुंह दबा कर हत्या कर दी और दोनो के शव मृतक राकेश की ई रिक्शा में रखकर ग्राम भवन के नजदीक पेट्रोल पंप के पास सड़क पर फेंक दिए।पुलिस का बयान- महिला की शिकायत पर सर्विलांस समेत पुलिस टीमों का गठन कर जांच कराई गई तो चौकाने वाले तथ्य सामने आए। परिवार के लोगों ने मां-बेटे की घर पर तकिया से मुंह दबा कर हत्या कर दी और हत्या को सड़क हादसे का रूप देने के लिए शव सड़क पर फेंक दिए थे। हत्यारोपी पिता-पुत्रों समेत तीन लोगों के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज कर आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है। हत्या में प्रयुक्त तकिया, ई-रिक्शा व बाइक बरामद कर ली है। विधिक कार्रवाई की जा रही है। - विकास चंद्र त्रिपाठी, एसपी संभल।

शमी का टेस्ट क्रिकेट से संन्यास: उनका काम विकेट लेना, चयन करना समिति का; राजनीति की अटकलों पर भी बोले हसीब

बेटी के साथ इश्क का डायलॉग बोलकर ट्रोल हुईं हसीन जहां, सोशल मीडिया पर बहस; फॉलोअर्स ने दी नसीहत



बेटी के साथ इश्क का डायलॉग बोलकर हसीन जहां ट्रोल हो गईं। सोशल मीडिया पर बहस छिड़ गई। मोहम्मद शमी की पत्नी ने फेसबुक पर वीडियो साझा किया है। पहले भी शमी और हसीन जहां का विवाद सुर्खियों में रह चुका है।भारतीय क्रिकेटर मोहम्मद शमी की पत्नी हसीन जहां एक बार फिर सोशल मीडिया पर चर्चा में हैं। इस बार वजह उनकी बेटी आयरा के साथ बनाई गई एक रील है। इसमें मां-बेटी के बीच इश्क, जन्नत और जहन्नुम को लेकर संवाद दिखाया गया है। सोमवार को फेसबुक पर वीडियो पोस्ट करने के कुछ ही घंटों में हजारों लोगों ने इसे पसंद किया, लेकिन इसके संवाद को लेकर सोशल मीडिया पर प्रतिक्रियाएं भी सामने आने लगीं। कई यूजर्स ने हसीन जहां को ट्रोल करते हुए बेटी को विवादों से दूर रखने की नसीहत दी। वायरल वीडियो में बेटी आयरा अपनी मां से कहती हैं, बताइए खातून, क्या मसला है आपका?, इस पर हसीन जहां जवाब देती हैं, मुझे इश्क हुआ है। बेटी कहती हैं, अस्तगफिरुल्लाह, अस्तगफिरुल्लाह... जहन्नुम में जाना चाहती हैं आप। इस पर हसीन जहां कहती हैं, मौलवी साहब, आपसे हुआ है।इसके जवाब में आयरा बोलती हैं, माशाल्लाह, माशाल्लाह... सीधा जन्नत में जाना चाहती हैं आप। संवाद के बाद बेटी अपनी मां को प्यार भी करती नजर आती हैं। फेसबुक पर पोस्ट किए गए इस वीडियो को कुछ ही घंटों में करीब 4.6 हजार लोगों ने लाइक किया। वहीं, 92 लोगों ने कमेंट किए और 32 लोगों ने इसे आगे साझा किया। वीडियो में बेटी के साथ इस्तेमाल किए गए संवाद को लेकर कुछ यूजर्स ने नाराजगी जताई। कुछ लोगों ने इसे सामान्य मनोरंजन बताते हुए हसीन जहां का समर्थन किया, जबकि आलोचना करने वालों ने सवाल उठाए कि बच्चों को इस तरह के कंटेंट का हिस्सा क्यों बनाया जा रहा है।

कई फॉलोअर्स ने बेटी को इस तरह की चर्चाओं और विवादों से दूर रखने की सलाह दी। इस तरह रील को लेकर हसीन जहां एक बार फिर सोशल मीडिया पर सुर्खियों में आ गई हैं। शमी से विवाद के बाद अब राजनीति में भी आमने-सामने होने के संकेत -मोहम्मद शमी और हसीन जहां का विवाद वर्ष 2018 में सार्वजनिक रूप से सामने आया था। इसके बाद दोनों के बीच आरोप-प्रत्यारोप का लंबा दौर चला। यह मामला समय-समय पर सोशल मीडिया और क्रिकेट जगत में चर्चा का विषय बनता रहा है। हाल ही में शमी की राष्ट्रीय लोकदल के अध्यक्ष और केंद्रीय मंत्री जयंत चौधरी से मुलाकात के बाद अमरोहा की राजनीति में भी चर्चाएं तेज हो गई थीं। शमी या उनके बड़े भाई हसीब अहमद के वर्ष 2027 के विधानसभा चुनाव में उतरने की अटकलें लगाई जाने लगी थीं। इसके बाद हसीन जहां ने भी चुनाव लड़ने का एलान करते हुए कहा था कि यदि शमी या उनके परिवार का कोई सदस्य अमरोहा से चुनाव लड़ता है तो वह भी उसके खिलाफ मैदान में उतरेंगी। टिकट नहीं मिलने की स्थिति में निर्दलीय चुनाव लड़ने की बात भी कही थी। इसके बाद 31 अक्तूबर को शमी ने हसीन जहां के चुनाव लड़ने के एलान पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा था कि जिसे जहां से चुनाव लड़ना है, वह लड़े। उन्हें कोई ऐतराज नहीं है। हालांकि, शमी ने खुद के चुनाव लड़ने को लेकर कोई घोषणा नहीं की थी। भारतीय तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी के टेस्ट क्रिकेट से संन्यास के फैसले के बाद उनके भाई ने कहा कि टेस्ट क्रिकेट को अलविदा कहने के बाद भी शमी का इरादा साफ है। उन्होंने कहा कि शमी का काम विकेट लेना है, चयन करना समिति का जिम्मा है। फिलहाल शमी का पूरा ध्यान सीमित ओवर क्रिकेट पर है।भारतीय तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी के टेस्ट क्रिकेट से संन्यास के फैसले के बाद चयन से बाहर रहने और चयनकर्ताओं से मतभेद की चर्चाएं तेज हैं। शुक्रवार को सोशल मीडिया पर वीडियो साझा कर उन्होंने 13 साल के टेस्ट करियर को विराम देने की जानकारी दी। हालांकि शमी ने इन अटकलों को तवज्जो देने से इन्कार किया है।

संवाद न्यूज एजेंसी से फोन पर बातचीत में शमी के भाई मोहम्मद हसीब ने बताया कि शमी मानते हैं कि खिलाड़ी के हाथ में केवल प्रदर्शन होता है, चयन करना चयन समिति का अधिकार है। उन्हें बाहरी चर्चाओं से फर्क नहीं पड़ता। फिलहाल उनका ध्यान सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी और सीमित ओवरों के क्रिकेट पर है। हसीब के मुताबिक, शमी पूरी तरह फिट हैं और मैदान पर उतरकर विकेट लेने को तैयार हैं। करीब 13 साल के अंतरराष्ट्रीय कॅरियर में चोटों और टीम से बाहर होने की चुनौतियों के बावजूद उन्होंने हर बार दमदार वापसी की। टेस्ट क्रिकेट में उनके नाम 229 विकेट दर्ज हैं। शमी का टेस्ट पदार्पण भी यादगार रहा, क्योंकि उन्हें सचिन तेंदुलकर के साथ खेलने का मौका मिला था। यह सचिन के कॅरियर का आखिरी टेस्ट मैच था। शमी के मुताबिक, सफेद जर्सी पहनकर ड्रेसिंग रूम में बिताए पल हमेशा याद आएंगे।राजनीति में आने की अटकलों पर भी दिया जवाब-शमी ने निजी मुलाकातों और राजनीतिक चर्चाओं को लेकर भी स्थिति स्पष्ट की। मोहम्मद हसीब के मुताबिक, मोहम्मद शमी के किसी से मुलाकात को अलग नजरिये से देखना उचित नहीं है। फिलहाल राजनीति में आने का शमी का कोई इरादा नहीं है और परिवार का भी कोई सदस्य इस दिशा में विचार नहीं कर रहा है। शमी के इस रुख से साफ है कि टेस्ट क्रिकेट से विदाई के बाद भी उनका ध्यान खेल पर ही केंद्रित है।

परिवार से मशविरा करने के बाद लिया था टेस्ट क्रिकेट छोड़ने का फैसला-भारतीय तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी का टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लेने का फैसला अचानक नहीं था। इस पर उन्होंने परिवार और करीबी दोस्तों से सलाह-मशविरा करने के बाद अंतिम मुहर लगाई। शुक्रवार दोपहर करीब दो बजे दिल्ली से अपने पैतृक गांव सहसपुर अलीनगर स्थित फार्म हाउस पहुंचे शमी ने बड़े भाई हसीब अहमद, मां अंजुम आरा और दोस्तों के साथ लंबी चर्चा की। इसके बाद रात करीब नौ बजे वह वापस दिल्ली रवाना हो गए। परिवार से बातचीत के कुछ घंटे बाद ही उन्होंने टेस्ट क्रिकेट को अलविदा कहने की घोषणा कर दी थी। उनके इस फैसले से क्रिकेट जगत में हलचल मच गई। शुक्रवार से लेकर सोमवार की देर रात तक सोशल मीडिया पर उनके 13 साल के टेस्ट करियर और शानदार उपलब्धियों की चर्चा होती रही। नवंबर 2023 के वनडे विश्व कप में उनकी घातक गेंदबाजी आज भी प्रशंसकों के जेहन में ताजा है।

संक्षिप्त समाचार

बर्तन कारोबारी के बेटे की गोली मारकर हत्या, ढाबे पर चाय पीते समय लेन देन को लेकर हुआ था विवाद



मझोला थाना क्षेत्र में दिल्ली रोड स्थित ढाबे पर दिवाली की रात रुपये मांगने के विवाद में मोहसिन सरताज ने निवासी बर्तन कारोबारी अब्दुल्ला के बेटे (19) की गोली मारकर हत्या कर दी। पिता की तहरीर पर पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर उनकी तलाश शुरू कर दी है।मझोला थानाक्षेत्र में दिल्ली रोड पर दिवाली वाली रात करीब साढ़े नौ बजे ढाबे पर पाकबड़ा के बर्तन कारोबारी शाकिर के बेटे अब्दुल्ला (19) की गोली मारकर हत्या कर दी गई। घटना के समय अब्दुल्ला अपने साथियों के साथ ढाबे पर बैठकर चाय पी रहा था।इसी दौरान वहां मूंढापांडे के नियामतपुर निवासी मोहसिन चौधरी और मूंढापांडे के चमरूआ निवासी सरताज चौधरी आ गए। इस दौरान अब्दुल्ला ने मोहसिन और सरताज चौधरी से पूर्व में दिए गए अपने रुपये वापस मांगे तो आरोपी उससे झगड़ा करने लगे।इसी दौरान आरोपियों ने अब्दुल्ला को गोली मार दी गई। घटना से मौके पर भगदड़ मच गई। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंच गई और घायल अब्दुल्ला को अस्पताल भिजवाया गया जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।एसपी सिटी कुमार रण विजय सिंह ने बताया कि अब्दुल्ला के पिता की तहरीर के आधार पर मोहसिन और सरताज के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है। पुलिस दोनों की तलाश में जुटी है।

जुड़वां बच्चों को जन्म देने के तीन दिन बाद शिक्षिका की मौत, इस दिक्कत के बाद कराया गया था भर्ती



रामपुर में जुड़वां बच्चों को जन्म देने के तीन दिन बाद शिक्षिका की मौत हो गई। चार नवंबर को मीनाक्षी को गैस बनने की शिकायत हुई थी। इसके बाद परिजन उन्हें उपचार के लिए काशीपुर ले गए। इलाज के दौरान उन्होंने दम तोड़ दिया। रामपुर के स्वार में जुड़वां बच्चों को जन्म देने के बाद घर लौटी सहायक अध्यापिका की अचानक तबीयत बिगड़ने से मौत हो गई। परिजन हार्ट अटैक से मौत होने की बात बता रहे हैं। शिक्षिका की मौत से परिवार में कोहराम मच गया, वहीं शिक्षक जगत में शोक की लहर दौड़ गई। क्षेत्र के जालिफनगला निवासी मीनाक्षी कलीनगर गांव स्थित प्राथमिक विद्यालय में सहायक अध्यापिका थीं। दो नवंबर को उन्होंने उत्तराखंड के काशीपुर स्थित एक अस्पताल में ऑपरेशन के बाद जुड़वां बच्चों को जन्म दिया था। हालत में सुधार होने पर अगले दिन तीन नवंबर को उन्हें अस्पताल से छुट्टी दे दी गई थी। इसके बाद परिजन उन्हें घर ले आए थे। मृतका के देवर दर्शन लाल ने बताया कि चार नवंबर को मीनाक्षी को गैस बनने की शिकायत हुई। उपचार के दौरान उनकी मौत- इसके बाद परिजन उन्हें उपचार के लिए काशीपुर ले गए। शनिवार रात उनकी हालत फिर बिगड़ गई और उपचार के दौरान उनकी मौत हो गई। परिजन हार्ट अटैक को मौत की वजह बता रहे हैं। मीनाक्षी अपने पीछे तीन बच्चों को छोड़ गई हैं। इनमें दो नवजात जुड़वां बच्चे भी शामिल हैं। उनके आकस्मिक निधन से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। शिक्षकों और परिचितों ने शोक व्यक्त किया।

दैनिक अखबार क्यूँ न लिखूँ सच को जिला एवं तहसील स्तर पर ब्योरो संवाददाता व विज्ञापन प्रतिनिधि चाहिए
9027776991
knlslive@gmail.com

क्यूँ न लिखूँ सच

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए0एच0प्रिंटर्स, ए-11, असालतपुरा, लंगड़े की पुलिया, मुरादाबाद-244001(उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 खा सीतापुरी, डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।

संपादक - नरेश राज शर्मा

मो. 9027776991

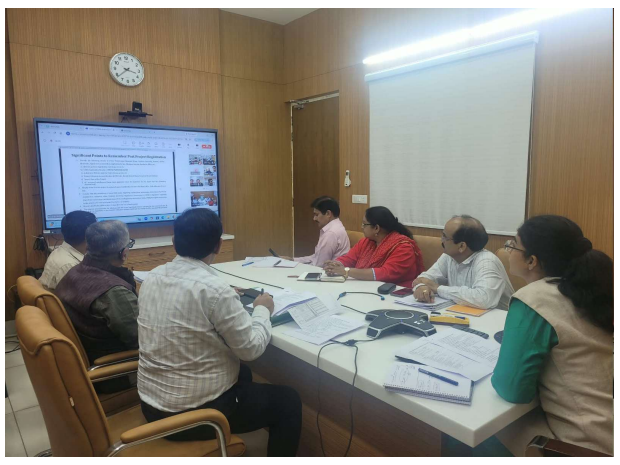
RNI NO- UPBIL/2021/83001

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा समस्त विवाद मुरादाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।

क्यूँ न लिखूँ सच समाचार पत्र में सभी पद अवैतनिक है

2 साल से अटकी ग्रेटर बरेली योजना को 4 माह में मिला RERA अप्रूवल

@ क्यूँ न लिखूँ सच



बरेली । (ब्यूरो) मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के सबको आवास विजन को बरेली विकास प्राधिकरण (BDA) ने जमीन पर उतार दिया है। 2 वर्षों से फाइलों में अटकी ग्रेटर बरेली आवासीय योजना की सेक्टर-5 और सेक्टर-8 परियोजनाओं को बैक-टू-बैक यूपी रेरा रजिस्ट्रेशन मिल गया है।बीडीए उपाध्यक्ष सुश्री सौम्या पांडेय ने पदभार संभालते ही मंडलायुक्त शंभू कुमार के मार्गदर्शन में इसे सर्वोच्च प्राथमिकता दी और नियमित समीक्षा बैठकों के जरिए महज 4 महीनों में सारी औपचारिकताएं पूरी कराकर यह बड़ी सफलता हासिल की। प्रोजेक्ट की मुख्य विशेषताएं:- सेक्टर-8 में 216 प्लॉट विकसित होंगे। दोनों सेक्टरों में चौड़ी सड़कें, पार्क, सीवर, जलापूर्ति और आधुनिक स्ट्रीट लाइट्स की व्यवस्था होगी। उपाध्यक्ष ने स्पष्ट किया कि विकास कार्य पूरी गुणवत्ता और तय समय-सीमा के भीतर पारदर्शी तरीके से पूरे किए जाएंगे। खरीदारों को क्या होगा फायदा- रेरा रजिस्ट्रेशन के बाद जमा धनराशि सिर्फ संबंधित प्रोजेक्ट के अलग बैंक खाते में ही खर्च होगी।

स्वीकृत मैप के अनुसार तय समय पर कब्जा और वित्तीय पारदर्शिता सुनिश्चित होगी। किसी भी विवाद या शिकायत की स्थिति में आवंटियों को सीधे रेरा में सुनवाई का अधिकार मिलेगा।

सफाईकर्मियों के हक और सम्मान पर कोई समझौता नहीं : डॉ. सुषमा गौड़ियाल

@ क्यूँ न लिखूँ सच



बरेली । (ब्यूरो)। राष्ट्रीय सफाई कर्मचारी आयोग की सदस्य डॉ. सुषमा गौड़ियाल ने कहा कि सफाई कर्मचारियों की सेवा उनके लिए ईश्वर की पूजा के समान है। उनके अधिकार, सम्मान और सुरक्षा से कभी कोई समझौता नहीं किया जाएगा। मंगलवार को बरेली में आयोजित प्रेस वार्ता में उन्होंने आयोग की प्राथमिकताओं और कल्याणकारी कदमों का ब्योरा दिया। देश भर में सफाईकर्मियों के आवास, पुनर्वास, पेंशन, स्वास्थ्य और सुरक्षा उपकरणों को लेकर समीक्षा की जा रही है और अधिकारियों को प्राथमिकता पर निस्तारण के निर्देश दिए गए हैं। सीतापुर में ड्यूटी के दौरान जान गंवाने वाले कर्मचारी के परिजनों को आयोग की पहल पर 30 लाख रुपये का मुआवजा दिलाया गया। वहीं, आगरा में हादसे का शिकार हुए दिव्यांग सफाईकर्मी बच्चू भाई को आर्थिक मदद, बीपीएल कार्ड और पट्टे पर जमीन की व्यवस्था कराई गई। कोविड कर्मियों की बहाली का दावा- जान जोखिम में डालकर सेवा देने वाले जिन संविदा कर्मचारियों को कोविड के बाद हटा दिया गया था, उन्हें दोबारा सेवा में वापस लाने के प्रयास और दावे पर उन्होंने जोर दिया।?

अयोध्या एयरपोर्ट का नाम महर्षि वाल्मीकि के नाम पर रखने के फैसले और प्रदेश सरकार की कल्याणकारी योजनाओं की सराहना की गई।

प्रेस वार्ता में एडवोकेट आकाश पुष्कर, विकास पासवान, भाजपा नेता हरि सिंह वरदान, शिशुपाल, महेंद्र पाल राही, सुनील भारत और मुकेश पासवान सहित कई गणमान्य लोग मौजूद रहे।

प्रिय सुधि पाठको आप अपना यहाँ शुभकामना सन्देश (Birthday, anniversary, any kind of message) कम कीमत में विज्ञापन छपवाए - 9027776991

संक्षिप्त समाचार

आंवला गौशाला में गोवर्धन पूजन, कर्मठ गौसेवक सम्मानित



बरेली, आंवला । (ब्यूरो) आंवला नगर पालिका परिषद की गौशाला में गोवर्धन पूजा का पावन पर्व श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि ने विधि-विधान से गौमाता की पूजा-अर्चना कर क्षेत्र की समृद्धि का आशीर्वाद लिया। ?इस अवसर पर गौशाला में दिन-रात निस्वार्थ सेवा देने वाले कर्मठ गौसेवकों को सम्मानित किया गया। मुख्य अतिथि ने गौसेवकों के समर्पण की सराहना करते हुए कहा कि गौ-सेवा हमारी संस्कृति और संस्कारों का अभिन्न अंग है। उन्होंने समाज से गौ-संरक्षण और संवर्धन के लिए आगे आने का आह्वान किया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्रद्धालु और गणमान्य नागरिक मौजूद रहे।

किशोरी को बहला-फुसलाकर ले जाने का आरोप, तीन पर मुकदमा दर्ज

फतेहगंज पश्चिमी। थाना क्षेत्र के एक गांव की महिला ने गांव के ही युवक पर अपनी 16 वर्षीय बेटी को बहला-फुसलाकर ले जाने का आरोप लगाया है। महिला की तहरीर पर पुलिस ने युवक और उसके दो भाइयों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच और नाबालिग की तलाश शुरू कर दी है। महिला के द्वारा दर्ज कराई गई रिपोर्ट के मुताबिक पांच नवंबर की शाम करीब चार बजे उसकी नाबालिग बेटी अचानक लापता हो गई। काफी तलाश करने पर भी कहीं उसका सुराग नहीं मिला।तलाश करते हुए किसी ने उनको बताया कि गांव का ही युवक बब्लू अपने सगे दो भाइयों की मदद से किशोरी को बहला-फुसलाकर अपने साथ ले गया है।जिस पर महिला ने पुलिस को तहरीर दी। पुलिस ने तीनों आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच और तलाश शुरू कर दी है। सीओ हाइवे देवेश सिंह ने बताया पीड़िता की तहरीर पर रिपोर्ट दर्ज करने के बाद किशोरी की तलाश शुरू की गई है।जल्द बरामद कर किशोरी परिजनों को सौंपी जाएगी।

जुएं में रकम हारे होमगार्ड के बेटे और टयूशन टीचर समेत तीन ने फंदा लगा दी जान

गुजैनी, हनुमंत विहार और सेनपश्चिम पारा थानाक्षेत्र में घटनाएं हुईं। पुलिस और फॉरेंसिक टीम ने जांच की।शहर में अलग-अलग थाना क्षेत्रों में तीन लोगों ने फंदा लगाकर जान दे दी। गुजैनी के बर्रा-8 में जुए में रुपये हारने के बाद तनाव में आए होमगार्ड के बेटे ने खुदकुशी कर ली। वहीं, हनुमंत विहार के गल्लामंडी में ट्यूशन पढ़ाने वाली युवती ने घर के ऊपर बने कमरे में फंदा लगा लिया। उधर, सेन पश्चिम पारा के तौधकपुर में शादीशुदा महिला ने जान दे दी। तीनों घटनाओं में पुलिस ने फॉरेंसिक टीम के साथ जांच कर शव पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिए। गुजैनी के बर्रा-8 निवासी होमगार्ड उदयनारायण शर्मा का बेटा मनोज शर्मा (33) पेशे से ड्राइवर था। पिता की तैनाती जिलाधिकारी कार्यालय में है।उदयनारायण के मुताबिक, दीपावली पर मनोज दो दिन तक जुआ खेलता रहा। इस दौरान वह काफी रकम हार गया था। इसके बाद से ही वह परेशान और तनाव में था। सोमवार देर रात घर लौटने के बाद वह बिना किसी से बातचीत किए ऊपर बने कमरे में चला गया। मंगलवार तड़के कमरे से खटपट की आवाज सुनकर परिजन पहुंचे तो दरवाजा अंदर से बंद मिला। खिड़की से झांककर देखा तो मनोज का शव दुपट्टे के सहारे पंखे से लटक रहा था।गुजैनी थानाप्रभारी राजन शर्मा के मुताबिक, परिजन ने किसी पर आरोप नहीं लगाया है। इसी प्रकार हनुमंत विहार के गल्लामंडी निवासी जितेंद्र सिंह की छोटी बेटी अनामिका तिवारी (26) बच्चों को ट्यूशन पढ़ाती थी। सोमवार देर शाम वह घर की दूसरी मंजिल पर बने कमरे में गई। काफी देर तक नीचे नहीं आने पर मां बुलाने पहुंचीं। दरवाजा अंदर से बंद होने पर कोई जवाब न मिलने पर खिड़की से झांककर देखा तो अनामिका का शव दुपट्टे के सहारे पंखे से लटका था।अनामिका की अगले साल शादी होनी की बात चल रही थी। परिवार में बहन आकांक्षा और भाई भानू हैं। हनुमंत विहार थानाप्रभारी राजीव सिंह के अनुसार परिजन आत्महत्या के पीछे का कारण नहीं बता सके हैं। उधर, सेनपश्चिम पारा के तौधकपुर में कंचन उर्फ रिया (28) ने फंदा लगाकर जान दे दी। उसके एक बेटी सृष्टि है। परिवार में मां सुमन, भाई राज, एजाज और वीर के अलावा बहन प्रिया है। छह साल पहले राजा से शादी हुई थी। सेनपश्चिम पारा थानाप्रभारी मूलचंद्र चौरसिया ने बताया कि परिजन खुदकुशी के पीछे का कारण नहीं बता सके हैं।

एसएसपी की दीपावली पर अनूठी पहल , रिटायर्ड पुलिस कर्मियों के घर पहुंची त्योहार की मिठास

@ क्यूँ न लिखूँ सच



बरेली । (ब्यूरो)। दीपावली के पावन पर्व पर बरेली पुलिस का एक बेहद संवेदनशील और मानवीय चेहरा सामने आया है। एसएसपी के निर्देशन में जिले के सभी थाना प्रभारी अपने-अपने क्षेत्रों में सेवानिवृत्त पुलिसकर्मियों के घर जाकर उन्हें दीपावली की शुभकामनाएं दे रहे हैं।?

इसी कड़ी में बारादरी थाना प्रभारी विजेंद्र सिंह और चौकी इंचार्ज मुनेंद्र सिंह गार्डन सिटी पहुंचे। दोनों अधिकारियों ने सेवानिवृत्त उपनिरीक्षक (SI) राज कुमार सिंह के घर जाकर उन्हें मिठाई और उपहार भेंट कर सम्मानित किया।

?अधिकारियों के इस अपनेपन और सम्मान से भावुक होकर रिटायर्ड एसआई राज कुमार सिंह ने एसएसपी सहित पूरी टीम का आभार जताया।

बरेली पुलिस की इस पहल ने यह साबित कर दिया कि वर्दी से सेवानिवृत्ति भले हो जाए, लेकिन पुलिस परिवार का सम्मान और नाता हमेशा कायम रहता है।

श्रीहरि मंदिर में अन्नकूट महोत्सव पर ठाकुर जी को लगा 56 भोग

@ क्यूँ न लिखूँ सच



बरेली । (ब्यूरो) । बरेली। श्री हरि मंदिर में अन्नकूट महोत्सव और गोवर्धन पूजा के पावन अवसर पर भव्य हरि नाम संकीर्तन का आयोजन किया गया। सुबह से ही मंदिर में ठाकुर जी और गिरिराज महाराज के दर्शन के लिए भक्तों का तांता लगा रहा। कार्यक्रम की शुरुआत मंदिर अध्यक्ष सुशील अरोड़ा और सचिव रवि छाबड़ा द्वारा दीप प्रज्वलन के साथ हुई। इसके बाद श्री हरि संकीर्तन मंडल के भजनों से पूरा प्रांगण भक्तिमय हो उठा। सेवा कार्य में महिला मंडल अध्यक्ष रेनू छाबड़ा, उपाध्यक्ष कंचन अरोड़ा सहित अन्य सदस्य सक्रिय रहे।

समारोह में पंडित जी द्वारा गिरिराज जी की आकर्षक प्रतिमा बनाई गई। श्रद्धालु अपने घरों से विभिन्न प्रकार के व्यंजन बनाकर लाए और ठाकुर जी को 56 भोग अर्पित किया। कार्यक्रम के अंत में सभी भक्तों को 56 भोग का प्रसाद एवं भंडारा वितरित किया गया।

जायसवाल समाज का सम्मेलन 20 दिसंबर को, मेधावी छात्र होंगे सम्मानित

@ क्यूँ न लिखूँ सच





बरेली। जायसवाल समाज बरेली मंडल का भव्य सम्मेलन 20 दिसंबर को बड़ा बाईपास स्थित कृष्णा होटल एवं रिसॉर्ट में आयोजित किया जाएगा। इस सम्मेलन में बरेली, पीलीभीत, शाहजहांपुर और लखीमपुर समेत विभिन्न जनपदों के समाज के लोग शामिल होंगे। कार्यक्रम में मेधावी विद्यार्थियों, समाज के वरिष्ठ नागरिकों और प्रशासनिक अधिकारियों को सम्मानित किया जाएगा।सोमवार को कृष्णा होटल एवं रिसॉर्ट में कैंट बोर्ड के पूर्व उपाध्यक्ष शशिकांत जायसवाल की अध्यक्षता में हुई समाज के वरिष्ठ सदस्यों की बैठक में सम्मेलन कराने का प्रस्ताव रखा गया। फरीदपुर के महावीर जायसवाल ने प्रस्ताव रखा, जिसका सुनील जायसवाल ने समर्थन किया। उपस्थित सदस्यों ने सर्वसम्मति से प्रस्ताव पारित कर दिया।

सम्मेलन सुबह 10 बजे से शाम चार बजे तक चलेगा। आयोजन के लिए बरेली, पीलीभीत, शाहजहांपुर और लखीमपुर में पांच-पांच सदस्यों की टीमें गठित की गई हैं। ये टीमें समाज के लोगों को आमंत्रित करने और सम्मेलन में उनकी अगवानी की जिम्मेदारी संभालेंगी।रमन जायसवाल द्वारा संचालित यूनिक मॉडल इंटर कॉलेज के छात्र-छात्राएं सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत करेंगे।

वहीं, आईएएस, पीसीएस और अन्य प्रशासनिक अधिकारियों के साथ समाज के वरिष्ठ नागरिकों को सम्मानित किया जाएगा। पिछले दो वर्षों में हाईस्कूल और इंटरमीडिएट की बोर्ड परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले मेधावी विद्यार्थियों को भी सम्मान मिलेगा।

बैठक में गरीब परिवारों की कन्याओं के सामूहिक विवाह कराने का प्रस्ताव भी रखा गया। सदस्यों ने समाज की एकता और संगठन को मजबूत बनाने के लिए मिलकर कार्य करने पर जोर दिया।बैठक में महावीर जायसवाल, प्रभात जायसवाल, धर्मवीर जायसवाल, घनश्याम जायसवाल, सुधीर जायसवाल, संदीप जायसवाल, अतुल जायसवाल, ओमप्रकाश जायसवाल, सीए हरिमोहन जायसवाल, अशोक जायसवाल, प्रेम प्रकाश जायसवाल, संजीव जायसवाल, एडवोकेट नरेंद्र जायसवाल, सुशील जायसवाल, ऋषिकेश जायसवाल, विपिन जायसवाल, डॉ. वैभव जायसवाल, जवाहर जायसवाल, संजय जायसवाल, अजय जायसवाल, दिनेश जायसवाल, आदेश जायसवाल, नीलेश जायसवाल, रमन जायसवाल और साकेत जायसवाल समेत अन्य लोग मौजूद रहे।

डॉक्टर की लापरवाही से डेढ़ माह की मासूम की मौत का आरोप, हंगामे के बाद समझौता

@ क्यूँ न लिखूँ सच



फतेहगंज पश्चिमी। सोमवार की रात कस्बे के एक निजी अस्पताल बेबी हेल्थ केयर सेंटर में डॉक्टर की लापरवाही के चलते डेढ़ माह की मासूम की मौत का आरोप लगा है। मासूम की मौत से नाराज परिजनों ने पहले अस्पताल में हंगामा किया, फिर पुलिस को तहरीर दी। बाद में दोनों पक्षों के बीच समझौता हो गया।

गांव रसूला चौधरी निवासी परिजनों ने बताया कि उनकी डेढ़ माह की बच्ची का कस्बे के एक निजी अस्पताल में करीब 15 दिन से इलाज चल रहा था। आरोप है कि गलत इलाज के चलते बच्ची की हालत सुधार होने के बजाय बिगड़ती गई। परिजनों ने कहीं और दिखाने की बात की तो डॉक्टर ने ठीक हो जाने का भरोसा दिया। सोमवार को दवा लेकर घर जाने पर बच्ची की हालत गंभीर हो गई। शाम को परिजन उसे लेकर अस्पताल पहुंचे। परिजनों के दूसरी जगह ले जाने का आग्रह करने पर भी डॉक्टर ठीक होने का भरोसा देता रहा। रात करीब 11 बजे इलाज के दौरान अस्पताल में ही बच्ची की मौत हो गई।

परिजनों ने हंगामा करने के बाद पुलिस को तहरीर दी। सूचना पर पुलिस ने अस्पताल संचालक को बुलाया। बाद में इलाज के खर्च को लेकर दोनों पक्षों के बीच समझौता करा दिया गया।अस्पताल प्रबंधक अशरफ अली ने बताया मासूम की उनके पास आने से पहले ही मौत हो चुकी थी।अस्पताल में हार्ट बीट चेक की गई थी।उनके अस्पताल में इलाज नहीं चल रहा था।

सीओ हाइवे देवेश सिंह ने बताया पीड़ित ने अस्पताल पर गलत इलाज का आरोप लगाकर तहरीर दी थी।लेकिन बाद में उसने रिपोर्ट लिखने से इनकार कर दिया।

दैनिक अखबार क्यूँ न लिखूँ सच को जिला एवं तहसील स्तर पर ब्योरो संवाददाता व विज्ञापन प्रतिनिधि चाहिए

9027776991

knlslive@gmail.com

धूमधाम से मनाया दीपावली का त्योहार, लक्ष्मी गणेश की पूजा के उपरांत फोड़े गए पटाखे, रोशनी से जगमगाए घर और प्रतिष्ठान



@ क्यूँ न लिखूँ सच

बिलारी । प्रभु राम लक्ष्मण जी और माता सीता के वनवास से अयोध्या लौटने की खुशी में हजारों साल से मनाये जा रहे दीपावली का विशेष त्यौहार रविवार को पारंपरिक श्रद्धा के साथ धूमधाम से मनाया। दिनभर घरों और व्यापारिक प्रतिष्ठानों में सफाई रंगाई पुताई और रंग बिरंगी झालरों से सजाने का काम चलता रहा, शाम को निर्धारित समय पर सभी ने लक्ष्मी जी, गणेश जी, कुबेर जी, भगवान विष्णु आदि की विशेष पूजा अर्चना की जिसमें मिट्टी के कोरे पुरवों में खीलें, परमल,बताशे, मीठे खिलौने भरकर लक्ष्मी जी को समर्पित किए। विशेष आरती की गई। दीप मालाएँ सजाई गईं बिजली की अनेक प्रकार की झालरों से नगर और गांव जगमगा रहे थे। खील बताशों का प्रसाद बांटा गया। सोशल मीडिया पर बधाई संदेशों आते रहे। देर रात तक आतिशबाजी फोड़ी गई जिसमें आसमान में रंग बिरंगी आकृतियां बनाने वाले पटाखे, चकई आकर्षण रहे। बच्चों ने भी फुलझड़ी का आनंद लिया। दूर दराज काम धंधा करने वाले लोग भी अपने पुराने घरों में दीपावली का त्यौहार मनाने आए। बाजारों में खूब भीड़ देखी गई। फूल फल मिठाई नारियल किराने आदि की जमकर खरीदारी की गई। सभी ने अनेक प्रकार के भोग समर्पित कर माता लक्ष्मी जी से कृपा दृष्टि बनाए रखने की प्रार्थना की। ज्ञात रहे दीपावली अपने आप में पांच पर्वों को समेटे हुए हैं जिसमें सबसे पहले धनतेरस फिर छोटी दिवाली फिर मुख्य दिवाली फिर गोवर्धन पूजा इसके उपरांत भैया दूज के उपरांत दीपावली के त्यौहार का समापन होता है।

दिव्य रुद्र कोचिंग में रंगोली प्रतियोगिता, विद्यार्थी हुए सम्मानित



@ क्यूँ न लिखूँ सच

बिलारी । दिव्य रुद्र कोचिंग संस्थान में दीपावली के अवसर पर रंगोली प्रतियोगिता का भव्य आयोजन किया जिसमें संस्थान के सभी विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग कर अपनी रचनात्मक एवं कलात्मक प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन कर सभी को चकित कर दिया। विद्यार्थियों ने विभिन्न आकर्षक रंगों एवं डिजाइनों से सुंदर रंगोलियाँ बनाकर कल और संस्कृति के प्रति अपनी रुचि प्रदर्शित की। इस दौरान उत्कृष्ट रंगोली बनाने वाले गीत लांबा, हुमा फातिमा, सौंदर्या, निबी, खुशबू, इफरा, आदिया, खुशी, दिबी, आस्था, मानवी, मीत, याशु, छवी, निखिल आदि विद्यार्थियों को संस्थान की ओर से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में संस्थान के मैनेजिंग डायरेक्टर पुलकित शर्मा, चेयरमैन शुभ , संरक्षक सुनीता , कुलदीप क्रिएटिविटी हेड कार्तिका , शैली, डिंपल सहित अन्य शिक्षक और शिक्षणेत्तर स्टाफ शामिल रहा। संस्थान के पदाधिकारियों ने विद्यार्थियों की प्रतिभा की सराहना करते हुए कहा कि पढ़ाई के साथ-साथ इस प्रकार की रचनात्मक गतिविधियाँ बच्चों के सर्वांगीण विकास, आत्मविश्वास और कला-कौशल को बढ़ावा देती हैं। अध्यक्ष शुभ ने बताया कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को शिक्षा के साथ-साथ सांस्कृतिक एवं रचनात्मक गतिविधियों से जोड़ना और उनकी छिपी हुई प्रतिभा को एक बेहतर मंच प्रदान करना है।

श्री पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर में श्रद्धा एवं भक्तिभाव से मनाई गई दीपावली, भगवान महावीर के निर्वाण महोत्सव पर चढ़ाया निर्वाण लाडू



@ क्यूँ न लिखूँ सच

बिलारी दीपावली के पावन पर्व पर कार्तिक कृष्ण अमावस्या के दिन श्री पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर, बिलारी में जैन समाज के श्रद्धालुओं ने धार्मिक अनुष्ठानों एवं भक्तिभाव के साथ भगवान महावीर का निर्वाण महोत्सव मनाया। इस अवसर पर मंदिर में विराजमान सभी प्रतिमाओं का शुद्ध जल से अभिषेक किया गया।

इसके उपरांत भगवान शांतिनाथ की प्रतिमा पर शांतिधारा की गई। नित्य नियम पूजन के बाद भगवान महावीर, गौतम गणधर एवं भगवान पार्श्वनाथ की विशेष पूजा-अर्चना की गई। श्रद्धालुओं ने भगवान के समक्ष निर्वाण लाडू अर्पित कर सुख-समृद्धि एवं विश्व कल्याण की कामना की।

पूजा एवं आरती के बाद सभी ने एक-दूसरे को दीपावली की शुभकामनाएं दीं।इस अवसर पर व्यापार मंडल के संरक्षक कौशल जैन ने दीपावली के धार्मिक महत्व पर प्रकाश डालते हुए बताया कि जैन धर्म के 24वें तीर्थंकर भगवान महावीर को कार्तिक कृष्ण अमावस्या के दिन मोक्ष की प्राप्ति हुई थी। इसी उपलक्ष्य में जैन समाज द्वारा इस दिन को निर्वाण महोत्सव के रूप में मनाया जाता है।

भगवान महावीर के निर्वाण की स्मृति में मंदिर में निर्वाण लाडू अर्पित करने की परंपरा निभाई जाती है। इस दौरान राकेश जैन, कौशल जैन, विनोद जैन, संजय जैन, शशांक जैन, समीर जैन, अभिषेक जैन, राकेश कुमार जैन एडवोकेट, प्रतीक जैन, अरिहंत जैन, सिद्धांत जैन, आर्यांश जैन, विपुल जैन, राजीव जैन, रजत जैन, तंदुल जैन, आरव जैन, तनिष्क जैन, अक्षय जैन, रीता जैन, सीमा जैन, रेखा जैन, शिल्पी जैन, शगुन जैन, जेसिका जैन, मिशिता जैन, चारू जैन, इरा जैन, कल्पना जैन, गरिमा जैन, पावनी जैन, आशा जैन, निधि जैन, अन्वी जैन, शशि जैन, पूजा जैन, पर्व जैन, मानसी जैन, सुरभि, नेहा जैन, खुशी जैन, लवी जैन एवं वर्णिका जैन सहित जैन समाज के अनेक श्रद्धालु उपस्थित रहे।

संक्षिप्त समाचार

भगवान बुद्ध के अनुयायियों ने मनाया दीपोत्सव

बिलारी @ **क्यूँ न लिखूँ सच** । दीपोत्सव कार्तिक माह में मनाया जाता है इस दिन गौतम बुद्ध जी ज्ञान प्राप्त करने के बाद पहली बार अपने घर पहुंचे थे तो उन के



पिता शुद्धोधन ने आप के आने की खुशी में अपने राज्य में दीप प्रज्वलित करने के आदेश दिये थे तो सभी राज्यवासियो ने खुशी से दीपोत्सव मनाया था और आज हम सब लोग मिलकर इस पावन पर्व को खुशी से मनाते हैं। अनेक परिवारों में दीप प्रज्वलित कर बुद्ध वंदना की तथा इस पर्व का महत्त्व समझाया और मिष्ठान वितरण किया। डॉ चरन सिंह प्रभारी विधानसभा क्षेत्र 30 बिलारी बीएसपी, राजरानी सामाजिक, टिंवकल राव, अभिषेक राव, शिवानी राव, राखी राव, निशा गौतम, यश राव, बबलू, संगीता सागर, मेलाराम, हर्षित आदि ने भी बुद्ध रीति से दीपावली मनाई।

अधिकारियों ने वृद्धाश्रम में बुजुर्गों संग मनाई दीपावली

बिलारी @ **क्यूँ न लिखूँ सच** । जिलाधिकारी के मार्गदर्शन में उपजिलाधिकारी अमित सिंह , तहसीलदार राजकुमार सिंह एवं नायब तहसीलदार रोहित



वर्मा ने ग्वारखेड़ा स्थित मानव सेवा संस्थान वृद्धाश्रम पहुंचकर बुजुर्गों के साथ दीपावली मनाई। फल, मिठाई और उपहार देकर उनकी कुशल क्षेम पूछी खुशियां साझा कीं। इस दौरान आश्रम के संचालक रोहन सामाजिक भी रहे।

दीपावली पर नगर पालिका अध्यक्ष रघुराज यादव के आवास पर पहुंचे भाजपा कार्यकर्ता, दी शुभकामनाएं

बिलारी @ **क्यूँ न लिखूँ सच** । दीपावली के पावन पर्व पर आपसी सौहार्द और भाईचारे की भावना के साथ एक-दूसरे के द्वार



पहुंचकर शुभकामनाएं देने का सिलसिला जारी रहा। इसी क्रम में नगर के प्रथम नागरिक एवं नगर पालिका परिषद के अध्यक्ष रघुराज यादव के आवास पर दूरदराज से पहुंचे भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं ने उन्हें प्रकाश पर्व दीपावली की शुभकामनाएं दीं। साथ ही क्षेत्र की सुख-समृद्धि, खुशहाली और उन्नति की कामना की। इस अवसर पर नगर पालिका अध्यक्ष रघुराज यादव ने अपने आवास पर पहुंचे सभी कार्यकर्ताओं का आत्मीय स्वागत किया और मिष्ठान खिलाकर उनका मुंह मीठा कराया। उन्होंने सभी को दीपावली की शुभकामनाएं देते हुए क्षेत्र में सुख, शांति और समृद्धि बने रहने की कामना की।शुभकामनाएं देने वालों में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के पूर्व जिला प्रमुख एवं भाजपा नेता धर्मेंद्र गांधी, वीरपाल सिंह कोरी, पवन शर्मा, रजनीश गर्ग, सुरेंद्र शर्मा, अवनीश चौधरी, रचित, राहुल शर्मा, एहसान पाशा, अवनीश यादव, पुनीत कुमार, नरेंद्र लाला, संजय कुमार, मौअज्जम मलिक, विशाल प्रजापति, फरमान मलिक, गौरव यादव, मुनेंद्र सिंह मुन्ना सहित अनेक कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

KYUN NA LIKHUN SACH
हिंदी अंग्रेजी दैनिक समाचार पत्र
दैनिक क्यूँ न लिखूँ सच
को आवश्यकता है उत्तर प्रदेश . उत्तराखंड मध्य प्रदेश ,दिल्ली ,बिहार पंजाब छतीसगढ़ राजस्थान आदि सभी राज्यों से रिपोर्टर,जिला व्यूरो विज्ञापन प्रतिनिधि की
सम्पर्क करे-9027776991

मुरादाबाद SSP के निर्देश पर मैनाठेर पुलिस ने गरीब परिवारों के साथ मनाई दीपावली, खुशियों से खिल उठे चेहरे







मुरादाबाद।(सिकंदर राजा) दीपावली का त्योहार हर किसी के जीवन में खुशियां लेकर आए, इसी सोच के साथ मुरादाबाद पुलिस ने एक सराहनीय पहल की। एसएसपी सतपाल अंतिल के कुशल निर्देशन और थाना प्रभारी किरन पाल के नेतृत्व में थाना मैनाठेर पुलिस ने क्षेत्र के गरीब और जरूरतमंद परिवारों के साथ दीपावली का त्योहार मनाया। इस दौरानक्राइम इंस्पेक्टर अजय कुमार सहित चौकी प्रभारी दुष्यंत गोस्वामी और पुलिस टीम ने गरीब परिवारों के बीच पहुंचकर उनके साथ त्योहार की खुशियां साझा कीं। पुलिस की ओर से दीपावली के लिए जरूरी इंतजाम किए गए और परिवारों को भी त्योहार की खुशियों में शामिल किया गया। पुलिसकर्मियों को अपने बीच पाकर गरीब परिवारों के चेहरे खिल उठे। बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक के चेहरों पर खुशी और मुस्कान दिखाई दी।मैनाठेर पुलिस की इस पहल ने एक बार फिर साबित किया कि पुलिस की जिम्मेदारी सिर्फ कानून-व्यवस्था बनाए रखना ही नहीं, बल्कि जरूरत के समय समाज के लोगों के साथ खड़े रहना भी है। पुलिस के इस मानवीय प्रयास की क्षेत्र में सराहना हो रही है।

11000 विद्युत लाइन की तार टूटने से बुक डिपो दुकान में लगी आग लाखों रुपए का सामान जलकर राख



भुता।(शेर सिंह) थाना क्षेत्र के ग्राम केसरपुर में योगेश बुक डिपो दुकान के ऊपर से 11000 की विद्युत लाइन का अचानक तार टूटने से दुकान में आग लग गयी। जिससे के लाखों रुपए सामान जलकर राख हो गया। थाना क्षेत्र के ग्राम सिंगाही मुरावान निवासी योगेश कुमार ग्राम ने बताया कि मेरी ग्राम केसरपुर में योगेश बुक डिपो की दुकान है। जिसके दुकान के एक कोने से 11000 की विद्युत लाइन जा रही है। आज सोमवार सुबह लगभग 8ः00 अचानक तार टूटकर दुकान के निकले एक लोहे एंगल पर गिर गया, जिससे दुकान के अंदर धीरे-धीरे आग लग गयी। जब दुकान से धुआं निकला तो आसपास के लोगों ने दुकान से धुआं निकलते हुए देखा तो मुझे फोन करके बताया कि तुम्हारी दुकान में धुआं निकल रहा है। सूचना मिलते ही मैं अपनी दुकान केसरपुर पहुंचा तब तक दुकान में आग से लपटे निकल रही थी। स्थानीय लोगों ने सहयोग से दुकान का ताला तोड़कर बाल्टियों से पानी भर भर के डालने से जैसे तैसे आग बुझायी। सूचना 2 घंटे बाद फायर ब्रिगेड मशीन भी पहुंची। तब तक ग्रामीणों ने आज पर काबू पा लिया था। तब तक दुकान में रखी किताबें, बच्चों की ड्रेस, स्पोर्ट्स का सामान सहित लाखों रुपए का सामान जल गया। दुकान मालिक का लाखों रुपए का नुकसान हो गया है। सूचना पर बिजली विभाग जेई व लाइनमैन पहुंचकर जांच पड़ताल की । उन्होंने दुकान स्वामी को मुआवजा दिलाए जाने का आश्वासन भी दिया है।

संक्षिप्त समाचार

श्रीमद् भागवत कथा का आयोजन किया जा रहा है।



गंज बासौदा (हाकम सिंह रघुवंशी) इसके उपलक्ष्य में शहर में कलश यात्रा निकाली गई। इसमें काफी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया। प्रथम दिन कथा व्यास पंडित विकास आनंद एलिया जी के द्वारा वैदिक मत्रों के साथ भगवान गणेश जी का अर्चन कर भागवत जी का पूजन किया। इसके बाद ढोल मजीरो व कीर्तन के साथ कलश यात्रा निकाली गई। कलश यात्रा के पश्चात 2 बजे से भागवत कथा का आयोजन किया गया। जिसमें श्रीमद भागवत कथा प्रवक्ता आचार्य पंडित विकास आनंद ऐलिया ने कहा कि जैसे गंगा, यमुना, सरस्वती संगम में हम स्नान करने के लिए जाते हैं।कथा मनुष्य के जीवन के मर्म को समझाती है। यह हमें सन्मार्ग पर चलने के लिए प्रेरित करती है।

महाराज ने कहा कि कलश रिद्धि- सिद्धि का प्रतीक है। इसका हिंदू धर्म में अपना महात्म्य है। उन्होंने कहा कि कलश हमारे जीवन के हर क्षण में काम आता है। जन्म के समय भी कलश स्थापना की जाती है और मरने के समय भी शरीर के साथ कलश विसर्जित किया जाता है। उन्होंने बताया कि कलश के उपर नारियल रखा जाता है। यह नारियल मनुष्य को इस बात की शिक्षा देता है कि परिवार के मुखिया को उपर से सख्त और अंदर से मुलायम होना चाहिए। इससे जीवन की गाड़ी बेहतर चलती है। कलश के उपर जो माला रखी जाती है उसका अलग महत्व है। जिस प्रकार माला में लगा हुआ फूल महकता है उसी प्रकार मनुष्य का जीवन भी दूसरों को सुगंध देने वाला होना चाहिए। कथा के मुख्य यजमान श्री गोपी रमका सैनी आशीष सैनी मनीष सैनी समस्त सैनी परिवार।

इस्कॉन मंदिर में 108 व्यंजनों से सजा गिरिराज महाराज का अन्नकूट

मैनावती मार्ग स्थित इस्कॉन मंदिर में मंगलवार को दीपोत्सव और श्री गिरिराज महाराज का अन्नकूट महोत्सव धूमधाम से

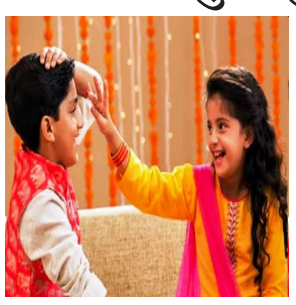


मनाया गया। इस दौरान मंदिर का मुख्य मार्ग 3500 दीपों से जगमगा उठा। अयोध्या की दीपावली की तर्ज पर मंदिर के सामने दीपों से आकर्षक रंगोली सजाई गई। वैष्णवी माताओं ने रंगोली में दीप सजाकर परिसर को रोशन किया। मंदिर को विद्युत झालरों और रंग-बिरंगी रोशनी से भी सजाया गया।अन्नकूट महोत्सव में 108 से अधिक प्रकार के व्यंजनों से श्री गिरिराज महाराज का श्रृंगार किया गया। महोत्सव का शुभारंभ मंगला आरती से हुआ। इसके बाद श्रीमद्भागवत कथा में गोवर्धन लीला के आध्यात्मिक और दार्शनिक महत्व पर चर्चा की गई। भगवान श्रीकृष्ण द्वारा सात दिनों तक कनिष्ठा अंगुली पर गोवर्धन पर्वत धारण कर ब्रजवासियों की रक्षा करने की लीला का वर्णन किया गया। भक्तों को शरणागति और शुद्ध भक्ति का संदेश दिया गया। मंदिर अध्यक्ष प्रेम हरिनाम प्रभु ने भगवान श्रीराम और श्रीकृष्ण की लीलाओं से प्रेरणा लेकर भक्ति, संकीर्तन और सेवा के मार्ग पर चलने का आह्वान किया।

आज मनाया जाएगा भाई दूज का त्योहार

तिलक करने का सबसे शुभ मुहूर्त और नियम

@ क्यूँ न लिखूँ सच



बरेली । (ब्यूरो) हिंदू पंचांग के अनुसार इस वर्ष भाई दूज का पर्व आज बुधवार,को मनाया जाएगा। पंचांगीय गणना के मुताबिक द्वितीया तिथि 11 नवंबर को दोपहर 3 बजकर 53 मिनट तक व्याप्त रहेगी। ज्योतिषीय नियमों और धर्म ग्रंथों के अनुसार भाई दूज के पर्व पर भाई को तिलक करने का मुख्य विधान दोपहर या अपराह्न काल में माना गया है, जिसके चलते यह तिथि पर्व मनाने के लिए अत्यंत श्रेष्ठ है।

उदया तिथि और अपराह्न काल का विशेष संयोग

ज्योतिषाचार्य पं. ध्रुव कुमार निर्भीक के अनुसार, निर्णय सिंधु के ग्रंथ के अनुसार भ्रातृ द्वितीया (भाई दूज) के निर्णय के लिए मुख्य रूप से अपराह्न काल और उदया तिथि दोनों का विचार किया जाता है। 10 नवंबर को सूर्योदय के समय प्रतिपदा तिथि होने और द्वितीया तिथि दोपहर के बाद आरंभ होने के कारण उस दिन उदया तिथि का संयोग नहीं मिल रहा था।

वहीं 11 नवंबर को द्वितीया तिथि सूर्योदय से लेकर दोपहर 03ः53 बजे तक रहेगी। चूंकि तिलक करने का समय दोपहर के वक्त ही निर्धारित होता है, इसलिए 11 नवंबर को उदया तिथि के साथ-साथ अपराह्न व्यापिनी तिथि का पूर्ण संयोग प्राप्त हो रहा है। यही कारण है कि शास्त्र सम्मत रूप से 11 नवंबर को ही भाई दूज का पर्व मनाना पूरी तरह उचित है।

भाई को तिलक करने के लिए ये रहेंगे शुभ मुहूर्त भाई दूज के दिन बहनों द्वारा भाइयों को तिलक करने के लिए दोपहर का मुख्य मुहूर्त और अन्य चौघड़िया मुहूर्त इस प्रकार रहेंगेः- मुख्य दोपहर मुहूर्तः- दोपहर 01ः15 बजे से दोपहर 03ः09 बजे तक- सर्वोत्तम मुहूर्तः- सुबह 08ः02 बजे से सुबह 09ः23 बजे तक-शुभ (उत्तम) मुहूर्तः- सुबह 10ः44 बजे से दोपहर 11ः52 बजे तक-लाभ (उन्नति) मुहूर्तः- शाम 04ः08 बजे से शाम 05ः19 बजे तक

बरेली की अनुष्का ने बनाया विश्व रिकॉर्ड लंदन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स से सम्मानित

@ क्यूँ न लिखूँ सच





बरेली । (ब्यूरो) । बिहारीपुर की निवासी अनुष्का मिश्रा ने योगासन के क्षेत्र में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया है। ऋषिकेश में आयोजित अंतरराष्ट्रीय योगासन चैंपियनशिप में उन्होंने शानदार प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक हासिल किया। इसके साथ ही अनुष्का ने 15 मिनट तक विशेष योगासन धारण कर रिकॉर्ड बनाने की उपलब्धि भी हासिल की है। इस उपलब्धि पर उन्हें लंदन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स की ओर से प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया।

स्वामी जीतानंद योग संस्थान समिति (जी-योगांग) की ओर से एक और दो नवंबर को योगासन चैंपियनशिप का आयोजन किया गया था। इसमें चार देशों के प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। रूस, कनाडा, जर्मनी और चीन के प्रतिभागियों के बीच अनुष्का ने स्वर्ण पदक हासिल कर अपना दूसरा विश्व रिकॉर्ड बनाया।

उन्होंने अपनी योग प्रतिभा और अभ्यास का प्रदर्शन करते हुए 15 मिनट तक ताल युक्त भू नवन नमस्कार आसन किया। उन्हें स्वर्ण पदक और प्रमाण पत्र प्रदान किया गया। इससे पहले भी अनुष्का एक विश्व रिकॉर्ड बना चुकी हैं।

कलेक्टर ने जनसुनवाई में सुनीं जनसमस्याएं, पात्र हितग्राहियों को योजनाओं का लाभ दिलाने के दिए निर्देश

जनसुनवाई में नागरिकों की समस्याओं का हो रहा समाधान

@ क्यूँ न लिखूँ सच



विदिशा(हाकम सिंह रघुवंशी) कलेक्ट्रेट के भूतल स्थित सभाकक्ष में आयोजित जनसुनवाई में जिले के विभिन्न क्षेत्रों से पहुंचे आवेदकों ने अपनी समस्याओं से संबंधित आवेदन प्रस्तुत किए। कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता ने सभी आवेदकों की समस्याएं प्राथमिकता से सुनते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए।

मंगलवार को आयोजित जनसुनवाई में कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता ने आवेदकों के बीच पहुंचकर उनकी समस्याएं सुनीं। कलेक्टर श्री गुप्ता के साथ-साथ अन्य अधिकारियों ने भी नागरिकों से सीधा संवाद किया। कलेक्टर ने पात्र हितग्राहियों की पीएम आवास राशि दिलाने, भूमि संबंधी समस्याओं के निराकरण और बिजली, नामांतरण, सीमांकन सहित अन्य राजस्व और योजनाओं के लाभ प्राप्ति में आ रही समस्याओं से संबंधित विभिन्न मामलों में अधिकारियों को मौके पर ही कार्रवाई के निर्देश देकर समस्याओं को हल कराने के निर्देश दिए जिसके फलस्वरूप जनसुनवाई में प्राप्त आवेदनो में से अधिकांश आवेदनों का मौके पर ही निराकरण हुआ है। आज संपन्न हुई जनसुनवाई कार्यक्रम में 40 आवेदन प्राप्त हुए थे जिनमें से 22 आवेदनों का मौके पर निराकरण हुआ है।

जनसुनवाई के दौरान आज अधिकारियों के समक्ष विभिन्न आवेदकों ने अपनी-अपनी समस्याओं से अवगत कराया जिनमें विदिशा के करैयाखेड़ा निवासी श्रीमती रानी अहिरवार ने पति की मृत्यु उपरांत बच्चों के भरण पोषण हेतु आर्थिक सहायता के लिए आवेदन दिया। कलेक्टर ने इस आवेदन को प्राथमिकता देते हुए मुख्यमंत्री स्वेच्छानुदान का प्रकरण बनवाकर आवेदिका को सहायता दिलाए जाने की कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश संबंधित विभाग को दिए हैं। इसके अलावा शमशाबाद के ग्राम पट्टन के श्री गजेंद्र सिंह यादव ने भूमि खसरे का कब्जा दिलाने और श्रीमती मीना बाई ने भी ग्राम बरवाई में उनकी भूमि का कब्जा दिलवाने हेतु आवेदन दिया। इन दोनों आवेदनों में कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता ने संबंधित तहसील के तहसीलदार को मौके पर जाकर आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए। शमशाबाद के ही श्री कैलाश सिंह राजपूत ने पीएम किसान सम्मान निधि योजना, विदिशा निवासी श्रीमती विमलेश बाई यादव ने पीएम आवास योजना (बीएलसी घटक) तहत मकान निर्माण हेतु सहायता राशि दिलाने और विदिशा के ही मोहन गिरी निवासी श्री सौरभ मैथिल ने पीएम आवास योजना तहत कुटी स्वीकृत न होने संबंधी समस्या से अवगत कराया। इन सभी आवेदनों के निराकरण के लिए कलेक्टर ने संबंधित विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए हैं की पात्रता अनुरूप आवेदकों को योजनाओं का लाभ दिलाया जाने की कार्रवाई समय सीमा में सुनिश्चित करें।

आज संपन्न हुई जनसुनवाई के दौरान जिला पंचायत सीईओ श्रीमती सुरभि तिवारी, विदिशा एसडीएम श्री मनीष कुमार जैन सहित विभिन्न विभागों का अधिकारियों ने आम नागरिकों की समस्याएं सुनी। जनसुनवाई के दौरान सभी विकासखंडों के अधिकारी भी वीसी के माध्यम से जुड़े रहे।

भाजपा संगठन के सहयोग सेल के माध्यम से सुनवाई





विदिशा(हाकम सिंह रघुवंशी) जिला भारतीय जनता पार्टी कार्यालय में विदिशा विधानसभा क्षेत्र के विधायक श्री मुकेश टंडन ने पार्टी के %सहयोग सेल% के माध्यम से नागरिकों और कार्यकर्ताओं की समस्याएं के संबंध में संबंधित विभाग को निर्देश दिए।

कार्यक्रम में विदिशा एवं स्थानीय क्षेत्रों के कार्यकर्ताओं, नागरिकों एवं समाज के प्रतिनिधियों, ने अपनी समस्याओं को रखा। जिसमें भूमि,बिजली ,पानी , सामुदायिक भवन,मुक्ति धाम में सेवा बढ़ाने एवं अन्य आवेदनों को विधायक श्री मुकेश टंडन ने आवेदकों की समस्या के निवरण हेतु निर्देश दिए।

इस दौरान जिला भाजपा संगठन की ओर से सहयोग सेल में श्री डा. राहुल जैन उपस्थित रहे।कार्यक्रम में श्री प्रशांत खत्री, डॉ एमके सोनी ,श्री अमित श्रीवास्तव,श्री मयंक तिवारी,श्री सुनील साहू सहित वरिष्ठ कार्यकर्ता एवं नागरिक उपस्थित रहे।

भाजपा का सहयोग सेल जनता और प्रशासन के बीच सेतु का कार्य करता है। संगठन के माध्यम से हर अंतिम व्यक्ति की समस्याओं का समाधान करना पार्टी की प्राथमिक संकल्पबद्धता

If the air outside is toxic, turn your home into your gym; do these exercises daily to maintain your fitness.

Exercising outside is difficult due to pollution, but you can stay fit by doing several effective exercises at home. The rising pollution levels in Delhi are a health alarm, especially for those who are used to exercising this has caused you to temporarily fact, there are many exercises that your home. Chair squats - Chair hamstrings. This exercise also helps Place a sturdy chair and stand in the chair position. Repeat this at least you're looking to burn calories, low-impact jumping jacks are an traditional jumping jacks that's safe feet together. Then, without jumping, Simultaneously, raise both your Marching - Spot marching not only strength and balance, and is in one place, raise both your knees move back and forth, as in a walking be easily done at home without any cardio, it also strengthens the as the upper body. To do this, first



and spending time outdoors every morning. If halt your fitness routine, there's no need to. In can be easily performed within the confines of squats strengthen the glutes, quads, and prevent the risk of osteoporosis in the elderly. front of it, then slowly sit down and stand up from 8-10 times. Low-Impact Jumping Jacks - Whether strengthen your joints, or improve your balance, effective exercise. This is an easy alternative to for people of all ages. Stand straight with your extend your right leg out to the right. hands overhead. Repeat with the other leg. Spot strengthens muscles, but also improves core extremely beneficial for heart health. Standing one at a time. While doing this, your hands should position. Shadow Boxing - Shadow boxing can equipment. This exercise is not only excellent muscles of the shoulders, core, and arms, as well stand straight, then take your hands forward in a punching position. Keep in mind that you should not get too breathless while shadow boxing and your body should also be perfectly balanced. Plank- With the help of plank, the muscles of the stomach, back and shoulders get strengthened. To do this core strength exercise, first come into the position of push-ups. Now place both the elbows on the ground and make a 90 degree angle. Keeping the body absolutely straight, put the entire weight on the toes. During this, breathe normally and remain in this position for 15-30 seconds.

Stroke cases are rapidly increasing among people under 55; these factors, including high blood pressure, are responsible.

Causes such as high blood pressure, poor lifestyle, and diabetes are responsible for this, and their identification and prevention are essential. Stroke is typically considered a disease of the elderly, but younger stroke cases have declined in the increasing. In England, stroke approximately two percent States, the stroke rate among 1993-94 to 62 per 100,000 in 2020. 55 suffered strokes worldwide. There are many factors that can be people. High blood pressure is an international study, ten factors, obesity, diabetes, smoking, poor mental stress, are linked to pressure alone was found to be of regular exercise is also a major 18 to 49 in Britain, 42 percent had cholesterol, and 14 percent had and diabetes are also steadily with diabetes are at higher risk. approximately 3.5 times higher



people are increasingly affected. Surprisingly, past few decades, while those under 55 are cases among people aged 35 to 54 increased by annually between 2001 and 2010. In the United people aged 20 to 54 increased from 34 cases in In 2021, approximately 2.8 million people under High blood pressure is the biggest risk factor: controlled in time for strokes among young responsible for half of the cases. According to including high blood pressure, cholesterol, diet, lack of exercise, heart disease, alcohol, and approximately 92 percent of strokes. High blood responsible for nearly half of these cases. Lack factor. In a study of 1,765 stroke patients aged high blood pressure, 24 percent had high diabetes. Meanwhile, 23 percent smoked. Obesity increasing among young people. Younger people People under 55 with diabetes have a stroke risk than normal individuals, while those with high blood pressure have a 2.5 times higher risk. Don't underestimate headaches and dizziness: Stroke is often difficult to diagnose in young people. A US study found that stroke symptoms were most commonly missed in people aged 18 to 44. Many patients were discharged from the hospital despite complaining of dizziness and headaches. Common symptoms of stroke include drooping of one side of the face, weakness in the arms and legs, and difficulty speaking. However, strokes in the back of the brain in young people can also cause symptoms such as loss of balance, vision loss, severe headaches, neck pain, and dizziness. Don't ignore minor symptoms like headaches – they are often dismissed as migraines, fatigue, or ear problems. Even if the symptoms subside after some time, seek immediate medical attention. Blood clot-dissolving treatment is usually necessary within four and a half hours of the onset of symptoms. Any negligence in this regard can lead to a fatal stroke. Take these preventative measures: According to experts, regular blood pressure, sugar, and cholesterol checks should be done to reduce the risk of stroke. Avoid smoking and drug use, and limit alcohol consumption. Limit salt intake to less than six grams and increase fiber intake. Engage in at least 150 minutes of physical activity per week, such as brisk walking or cycling. It's also important to address stress and long working hours.

Scientists have developed a new blood test that can accurately determine the severity of liver disease without biopsies and expensive MRIs.

A new study has proven successful. A blood test can now accurately determine the severity of chronic liver disease. Until now, blood tests could detect liver disease, but could not pinpoint its underlying cause. disease required biopsies or has now cleared the way for this, as discuss this new research in detail: liver disease - This study, which conducted by the American At its meeting, researchers reported determine the extent of chronic on routine blood samples were elastography, the most accurate disease. Limited to a few specialist that MRI is mostly limited to available blood tests can detect to which a patient's liver is affected steatohepatitis. What is metabolic Metabolic dysfunction-associated characterized by inflammation and cirrhosis and liver failure. determine the stage of MAS. In this Transformer," detects liver This is the most accurate way to determine the stage of liver fibrosis without a biopsy.



Therefore, accurate diagnosis of chronic liver expensive MRI scans. However, a recent study a new blood test has been successful. Let's Accurately detecting the severity of chronic explored the extent of liver disease, was Association for the Study of Liver Diseases. that an experimental blood test can accurately liver disease in patients. The results of this test comparable to magnetic resonance non-invasive method for detecting liver centers and clinical trials - It's worth noting specialist centers and clinical trials. Currently liver cancer, but they don't reveal the extent by metabolic dysfunction-associated dysfunction-associated steatohepatitis? steatohepatitis, or MAS, is a condition scarring of the liver, which can lead to Currently, MRI or liver biopsy is required to context, Hepta's new test, "Liquid conditions using DNA present in the blood.

52 years ago, Dara Singh played the role of Krishna 'Bhagat' and, as 'Dhanna Jatt', showed the glory of Govardhan.

In a film released 52 years ago, Dara Singh played the role of 'Dhanna Jatt'. The 52-year-old film, a devotional film released in 1974, was a superhit. The sacred festival of Govardhan Puja, celebrated after Diwali, is a celebration of nature, devotion, and the childlike affection of the Lord. On this day, Lord Krishna lifted the Govardhan mountain and shattered Indra's arrogance, conveying the message that God is pleased not with pomp, rituals, or show, but with simple, straightforward, and unconditional love. Dara Singh played a key role in the film 'Bhagat Dhanna Jatt', which depicts this devotion and innocent faith in Indian cinema. In this film, released in 1974, "Rustam-e-Hind" Dara Singh played the immortal character of Rajasthan's great saint Dhanna Ji. Dhanna's simple faith - Saint Dhanna was a simple farmer from Dhuwa Kalan village in Tonk district of Rajasthan. In the film "Bhagat Dhanna Jatt," Dara Singh's personality breathes life into Dhanna's character. When the towering Dara Singh appears on screen as a naive farmer, his acting moves the audience. What is the story of the film? In the story, Dhanna asks a village priest about the rituals for worshipping Thakur Ji. Either as a joke or to get rid of him, the Brahmin hands him a simple round stone from the field and says, "Do not eat food without offering it to God." After this, that stone becomes God himself for Dhanna. He goes home, makes rotis, serves them to Thakurji, and sits down with folded hands, saying, "Lord, the food is ready. You offer it first, only then will Dhanna eat." A day passed, then two, but how could a stone god eat? Dhanna also gave up food and water. When the devotee's unconditional insistence reached its peak, the devotee-loving Lord Krishna was forced to appear from the stone slab and eat a dry roti from Dhanna's hands. The film conveys a profound message: the core message of Govardhan Puja is also "Annakoot" and "spontaneous surrender." Lord Krishna taught the people of Braj that God is not a harsh ruler sitting in the distant sky, but accepts any leaf, flower, fruit, or tuber offered with love, like a family member. This scene in the film is deeply emotional, when Lord Krishna himself, disguised as a simple cowherd and farm laborer, plows Dhanna's fields and harvests the crops. This scene recreates the same aspect of Govardhan Leela where the Lord does not hesitate to become a volunteer to protect and serve his devotees. Dara Singh's performance won hearts - Usually known as a wrestler and action hero, the flow of devotion that Dara Singh in this film is worth watching. The innocence on his face, the innocent faith of a child within his huge body is truly amazing. In today's times when worship is often limited to show-off and expensive ceremonies, the story of 'Bhagat Dhanna Jat' and this holy day of Govardhan Puja reminds us that God is not greedy for gold-silver plates or 56 offerings, but desires a feeling that is filled with love.



"None of us is bigger than the Ramayana..." Why did Yash become a villain despite being a superstar? The actor responded.

There's been a lot of debate surrounding Yash's portrayal of Ravana in the Ramayana. Meanwhile, the makers have released a BTS video about the situation. Makers of Ramayana release BTS video Why did Yash play Ravana in the Ramayana? Nitesh Tiwari praises Yash's performance The makers of Ramayana: Rise of a Legend have released a behind-the-scenes video that gives a glimpse of Yash's portrayal of Ravana. In the video, actor Ranbir Kapoor, director Nitesh Tiwari, and producer Namit Malhotra are seen discussing the casting and the thought process behind bringing the character to life. This video comes at a time when debate has erupted over the portrayal of Ravana in the film, with some viewers questioning whether the character is being portrayed as bigoted. There have also been concerns that portraying him as a major character could shift the focus away from Lord Ram. Debate surrounding the role of Ravana: Sharing a video on social media, the makers wrote, "See what went into bringing Ravana to life." In the video, Namit Malhotra discussed the challenge of casting Yash as Ravana, given the actor's popularity. He explained the difference between Yash's massive fan following and the perception of Ravana as one of the most disliked characters in the epic. He said, "You have Ravana, who is technically one of the most disliked characters in the country, and then you have Yash, who is loved as a superstar." Ranbir Kapoor praised Yash. Ranbir Kapoor also explained why he felt Yash was right for the role. He said, "It's not easy to just play Ravana and recreate his true form. You needed someone who was larger than life, someone who had the aura and star power that Yash brings. Yash revealed that his decision to play Ravana initially surprised his friends and family. He said many of them questioned why he wanted to play a character traditionally seen as a villain. Why did Yash play Ravana? He said, "As a producer, I wanted to make Ramayan because it's our story, but as an actor, I wanted to play Ravana. The only challenge was that people thought, 'Well, people love you, and if you're playing a character that's so hated, people won't be able to celebrate you or praise you.'" However, the actor was clear about his decision. He added, "I said, 'Yes, but the story has to be like this.' I know stardom and all that is fine, but at the end of the day, none of us are bigger than Ramayan. Nitesh Tiwari praises Yash - Meanwhile, Tiwari praised Yash's screen presence and said that the actor completely immersed himself in the role. The director said, "When he comes on screen, you can't take your eyes off him. He's right there. He demands your attention. He portrays Raavan perfectly." About Ramayan: Directed by Nitesh Tiwari and produced by Namit Malhotra and Yash, Ramayan: Rise of a Legend stars Ranbir Kapoor as Lord Ram, Sai Pallavi as Sita, and Yash as Raavan. The film is planned to be made in two parts; the first part released in theaters on November 5th, with the second part releasing in 2028.



A major update on Shah Rukh Khan's 'Om Shanti Om 2': Will it open to ?300 crore? The author reveals the full story.

Author Mayur Puri has discussed the potential of 'Om Shanti Om 2'. He described it as a profitable ?300 crore project for Shah Rukh and Farah. Author Mayur Puri discusses 'Om Shanti Om 2': The sequel could open to ?300 crore. Mayur Puri describes it as a 'grandma's recipe'. Shah Rukh Khan and Deepika Padukone's film 'Om Shanti Om' was released on November 9, 2007. The movie has completed 19 years. It is one of the most memorable films in Indian cinema. With the film completing 19 years, the discussion and excitement among fans about its sequel has increased even more. Although director Farah Khan hasn't yet announced the release of "Om Shanti Om 2," the film's writer, Mayur Puri, recently discussed the possibility of taking the story forward. Speaking with Zoom, Mayur Puri said that "Om Shanti Om 2" could be a profitable project for Shah Rukh Khan, Farah Khan, and the makers, but he himself would be afraid to do so. How many crores will the film open? Mayur said, "If a sequel to 'Om Shanti Om' is made, forget about all the other 100 crore rupee records. It will become a 300 crore rupee film and will have a spectacular opening. From a business perspective, it would be absolutely the right decision for Shah Rukh Khan to produce it and Farah Khan to direct it. But I would be very afraid to do so." Mayur Puri explained that the film cannot be remade. He compared it to a special recipe made by grandmothers. Mayur Puri compared it to panjiri, saying, "Some things are created organically in our memories. The panjiri my grandmother made wasn't made by measuring it. She would add a handful of flour, then add ghee and sugar by hand. That panjiri was fantastic. Even if you gave the same recipe to a chef at a five-star hotel and he followed it exactly, it wouldn't be made. Om Shanti Om is the same panjiri my grandmother made; I don't think it can be recreated." Mayur Puri made a special request to the audience. He also said that the sequel to Om Shanti Om will be very close to the original and that the filmmakers will definitely make an entertaining film. However, he has a request for the audience: if a sequel is ever made, don't compare it to this one. Mayur Puri said, "You'll find an extension of the Om Shanti Om world. Sholay can't be recreated. History bears witness that it can't be recreated."

